कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जागृति

वर्ष:66 अंक-2 मुम्बई जनवरी 2022

नौसेना दिवस मनाने के लिए मुंबई में प्रदर्शित हुआ दुनिया का सबसे बड़ा खादी राष्ट्रीय ध्वज

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

कामये दुरवतप्राणाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

वर्ष:66 अंक-2 मुम्बई जनवरी 2022

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
कलाकार
शेखर पुनवटकर
दिलीप पालकर
उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-23

- उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए 3
- खादी की दरियों की गर्माहट महसूस करेंगे अर्द्धसैनिक बलों के जवान.....4
- केवीआईसी ने असम में नन्ही मधुमक्खियों का उपयोग करके हाथी-मानव.....6
- आईआईटीएफ- 2021 में खादी की लोकप्रियता बढ़ी; 2.88 करोड़ रुपये 8
- नौसेना दिवस मनाने के लिए मुंबई में प्रदर्शित हुआ दुनिया का सबसे बड़ा 9
- केवीआईसी ने असम में 70 महिला अगरबत्ती कारीगरों के लिए अनोखा 11
- स्फूर्ति योजना का अभिसरण.....12
- ट्रेडमार्क पंजीकरण 13
- आयोग के अध्यक्ष ने 100 महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए.....14
- गुवाहाटी में नया बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र 14
- एमएसएमई में रोजगार के अवसर.....15
- खादी एक बार फिर वैश्विक हुई; अमेरिकी फैशन ब्रांड “पैटागोनिया" ने अपने 17
- **पीएमईजीपी योजना के सफलता की कहानियां**
- युवा उद्यमी हेनरी सिंगुरा ने मशरूम की खेती को सफल व्यावसायिक.....19
- पीएमईजीपी योजना बनी-अंजू डेविस के आत्मनिर्भरता की यात्रा.....19
- **विविध**
- वाराणसी में विशेष खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन 20
- आजमगढ़ में पीएमईजीपी के अन्तर्गत जागरूकता शिविर आयोजित.....20
- सी. बी. कोरा ग्रामोद्योग संस्थान द्वारा जागरुकता कार्यक्रम आयोजित २०
- विशाखापत्तनम ने ग्रामोद्योग कार्यक्रम पर जागरूकता शिविर का आयोजन.....21
- प्रशिक्षित छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित.....21
- बडगाम में पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर का आयोजन.....23

मीडिया कवरेज.....24-29

उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए केवीआईसी ने स्वरोजगार योजनाएं शुरू की

झांसी, 19 दिसंबर, 2021: उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की स्वरोजगार गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया। झांसी में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने झांसी जिले और बुंदेलखंड क्षेत्र में इसके आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीण कारीगरों के बीच विद्युत चालित कुम्हारी चाक, मधुमक्खी के बक्से और अगरबत्ती बनाने की मशीनें वितरित की। इस अवसर पर झांसी से सांसद श्री अनुराग शर्मा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर भारत सरकार के प्रमुख प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) पर एक जागरूकता कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया गया।

इस कार्यक्रम में केवीआईसी द्वारा वितरित किए गए उपकरणों में 200 मधुमक्खी बक्से, 100 विद्युत चालित कुम्हारी चाक (पॉटर व्हील) और 50 अगरबत्ती बनाने वाली मशीनें शामिल हैं। इससे 600 से अधिक स्थानीय लोगों के लिए संचयी रोजगार सृजित होगा। केवीआईसी ने इन लाभार्थियों को अपने घर पर इन मशीनों को चलाने के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान किया है।

केन्द्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री श्री भानू प्रताप सिंह वर्मा ने बुंदेलखंड क्षेत्र में केवीआईसी की पहल की सराहना की और कहा कि इन ग्रामीण कारीगरों को दी गई मशीनें उन्हें अपने घर पर आजीविका कमाने का मौका प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, विशेष रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र में रोजगार सृजन की बहुत बड़ी संभावनाएं हैं।

मंत्री महोदय ने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में पीएमईजीपी, हनी मिशन और कुम्हार सशक्तिकरण योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों को लागू करके रोजगार सृजन में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय सक्सेना ने इस अवसर पर कहा कि केवीआईसी की इन योजनाओं का उद्देश्य गरीब से गरीब लोगों को सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र केवीआईसी का

खादी की दरियों की गर्माहट महसूस करेंगे अर्द्धसैनिक बलों के जवान, स्वदेशी अभियान को एक बड़ा प्रोत्साहन

17 दिसम्बर, 2021, नई दिल्ली: खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की ओर से 3.95 करोड़ रुपये मूल्य की 77,600 सूती खादी की दरियों की खरीद का एक नया आदेश प्राप्त होने के साथ अर्द्धसैनिक बलों के बीच स्वदेशी अभियान की गति और तेज हो गई है। इस आदेश के साथ, अर्द्धसैनिक बलों की ओर से सूती खादी की दरियों की कुल मांग बढ़कर 2,68,458 हो गई है, जिनका मूल्य 13.60 करोड़ रुपये है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 12 दिसंबर 2021 को 1000 दरियों की पहली खेप की आपूर्ति की है जिसे अर्द्धसैनिक बलों द्वारा अनुमोदित किया गया है । शेष आपूर्ति हर 10 दिनों में 5000 पीस के लॉट में की जाएगी।

हमारे अर्धसैनिक बल के जवान अब खादी के सूती दरियों की गर्माहट को महसूस कर सकते हैं।

केवीआईसी ने 13.60 करोड़ रुपये की 2,68,458 दरियों के थोक ऑर्डर की आपूर्ति शुरू की।

आईटीबीटी के साथ समझौता ज्ञापन के बाद स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम

अर्द्धसैनिक बलों के लिए सूती खादी की दरी की खरीद के लिए इस साल 6 जनवरी को केवीआईसी और आईटीबीपी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने की पृष्ठभूमिमें यह कदम उठाया गया है। पूर्व में, कुल 9.65 करोड़ रुपये मूल्य की 1,90,858 दरियां खरीदने का आदेश दिया गया था।

विनिर्देशों के अनुसार, केवीआईसी 1.98 मीटर लंबी और 1.07 मीटर चौड़ी नीले रंग की दरियों की आपूर्ति करेगा। सूती दरियों का उत्पादन उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के खादी संस्थानों द्वारा किया जाएगा। यह पहली मौका है जब अर्द्धसैनिक बलों के जवान खादी की गर्माहट को महसूस करेंगे।

2,68,458 दरियों के कुल आदेश में से 1,20,300 दरियों की आपूर्ति सीआईएसएफ को की जाएगी । बीएसएफ को 59,445 दरियां,आईटीबीपी को 51,000 दरियां और शेष 37,713 दरियां एसएसबी को आपूर्ति की जायेंगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के निर्देश पर "आत्मनिर्भर भारत अभियान" का समर्थन करने के उद्देश्य से स्थानीय उत्पादों

उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए.....

(पृष्ठ 3 से आगे.....)

हुआ है। इसने इस क्षेत्र में लगभग 11,000 नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करके और इस प्रकार 8800 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करके पीएमईजीपी योजना को एक बड़ा उछाल दिया है। इन परियोजनाओं को मदद देने के लिए, केवीआईसी ने 75 करोड़ रुपये की सब्सिडी राशि भी वितरित की। इसके अलावा, अभी बुंदेलखंड क्षेत्र में 16 खादी संस्थाएं काम कर रहे हैं जिनमें ज्यादातर महिला कारीगरों द्वारा कताई और बुनाई का काम होता है।

फोकस क्षेत्र है जहां किसानों, बेरोजगार युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार पैदा करने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं।

केवीआईसी ने पिछले 3 वर्षों के दौरान बुंदेलखंड क्षेत्र में 300 से अधिक कुम्हार परिवारों को सशक्त बनाया है, जिससे समुदाय के लगभग 1200 लोगों के लिए आजीविका का सृजन

खादी की दरियों की गर्माहट महसूस करेंगे अर्द्धसैनिक बलों के जवान.....

(पृष्ठ 4 से आगे.....)

को प्रोत्साहित करने के लिए अर्द्धसैनिक बलों के बीच स्वदेशी अभियान की शुरुआत की गई है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि सूती खादी की दरियों के लिए पुन: आदेश खादी उत्पादों की उत्कृष्ट गुणवत्ता, जोकि खादी की पहचान है, का प्रमाण है।

श्री सक्सेना ने कहा, "खादी उत्पादों के लिए ये थोक आदेश न केवल हमारे अर्द्धसैनिक बलों के बीच स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करेंगे बल्कि खादी के कारीगरों के लिए बड़े पैमाने पर अतिरिक्त रोजगार भी पैदा करेंगे। केवीआईसी यह सुनिश्चित करेगा कि उच्चतम गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए इन दरियों की पूरी मात्रा हमारे जवानों तक समय पर पहुंचाई जाए।"

केवीआईसी ने आईटीबीपी द्वारा उपलब्ध कराए गए नमूनों के अनुरूप सूती दरी विकसित की है और इसे एजेंसी द्वारा अनुमोदित किया गया है। केवीआईसी द्वारा तैयार सूती दरियों को नार्थ इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (एनआईटीआरए), जोकि गुणवत्ता मानकों के परीक्षण के लिए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त कपड़ा मंत्रालय की एक इकाई है,द्वारा भी प्रमाणित किया गया है।

केवीआईसी ने असम में नन्ही मधुमक्खियों का उपयोग करके हाथी-मानव संघर्ष को रोकने के लिए रि-हैब(आरई-एचएबी) परियोजना शुरू की

गुवाहाटी, असम, 04 दिसम्बर, 2021 : कर्नाटक में अपनी प्रगतिशील परियोजना रि-हैब (आरई-एचएबी-मधुमक्खियों का उपयोग करके हाथी-मानव संघर्ष को कम करना) की सफलता से उत्साहित होकर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अब इस परियोजना को असम में दोहराया है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने असम के गोलपारा जिले के ग्राम मोरनोई में रि-हैब (आरई-एचएबी) परियोजना का शुभारंभ किया, इस इलाके में हाथी-मानव संघर्ष की काफी घटनाएं होती हैं। असम में स्थानीय वन विभाग के सहयोग से इस परियोजना को लागू किया गया है। घने जंगलों से घिरे हुए असम के एक बड़े हिस्से में हाथियों का आना-जाना लगा रहता है, वर्ष 2014 से 2019 के बीच हाथियों के हमलों के कारण 332 लोगों की मौत हुई है।

रि-हैब (आरई-एचएबी) परियोजना के तहत मानवीय बस्तियों में हाथियों के प्रवेश को अवरुद्ध करने के लिए उनके मार्ग में मधुमक्खी पालन के बक्से स्थापित करके "मधुमक्खियों की बाड़" लगाई जाती है। इन बक्सों को एक तार से जोड़ा जाता है ताकि जब हाथी वहां से गुजरने का प्रयास करता है, तो एक खिंचाव या दबाव के कारण मधुमक्खियां हाथियों के झुंड की तरफ चली आती हैं और उन्हें आगे बढ़ने से रोकती हैं। यह परियोजना जानवरों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना ही मानव और जंगली जानवरों के बीच संघर्षों को कम करने का एक किफ़ायती तरीका है। यह वैज्ञानिक रूप से सही पाया गया है कि हाथी मधुमक्खियों से चिढ़ जाते हैं। उनको इस बात का भी भय होता है कि मधुमक्खियां उनकी सूंड और आंखों के अन्य संवेदनशील अंदरूनी हिस्सों में काट सकती हैं। मधुमक्खियों के सामूहिक कोलाहल से हाथी परेशान हो जाते हैं और वे वापस लौटने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

हाथियों को भगाने के लिए मोरनोई और दहिकाटा गांवों में एक सप्ताह के भीतर कुल 330 मधुमक्खी बक्से बिखरा कर रखे जाएंगे। इन गांवों के 33 किसानों और शिक्षित युवाओं को

केवीआईसी द्वारा मधुमक्खियों के ये बक्से दिए गए हैं, जिनके परिवार हाथियों से प्रभावित हुए हैं। इन गांवों में साल में 9 से 10 महीने तक लगभग हर दिन हाथियों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की खबरें आती रहती हैं। यहां पर हाथियों के हमलों का खतरा इतना गंभीर है कि पिछले कुछ वर्षों में ग्रामीणों ने उनके हमले के डर से अपने खेतों में कृषि कार्य करना बंद कर दिया था। इन गांवों में धान, लीची और कटहल का प्रचुर उत्पादन होता है, जो हाथियों को काफी आकर्षित करता है। हाथियों पर मधुमक्खियों के प्रभाव और इन क्षेत्रों में उनके व्यवहार को रिकॉर्ड करने के लिए सामरिक महत्व के बिंदुओं पर उच्च रिज़ॉल्यूशन वाले और नाइट विजन कैमरे लगाए गए हैं।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि प्रोजेक्ट रि-हैब (आरई-एचएबी) मानव-हाथी संघर्षों का एक स्थायी समाधान साबित होगा जो असम में बहुत आम बात है। आरई-एचएबी परियोजना से कर्नाटक में एक बड़ी सफलता मिल रही है और इसलिए इसे असम में अधिक दक्षता तथा बेहतर तकनीकी जानकारी के साथ लॉन्च किया गया है। हमें उम्मीद है कि इस परियोजना के जरिये आने वाले महीनों में हाथियों के हमलों में कमी आएगी और स्थानीय ग्रामीणों को उनके खेतों में वापस लाया जा सकेगा। श्री सक्सेना ने कहा कि केवीआईसी द्वारा किसानों को मधुमक्खी के बक्सों का वितरण मधुमक्खी पालन के माध्यम से उनकी आय में भी इजाफा करेगा। इस मौके पर केवीआईसी के सदस्य, पूर्वोत्तर क्षेत्र श्री दुयो तमो भी मौजूद थे।

विशेष रूप से प्रोजेक्ट रि-हैब (आरई-एचएबी) केवीआईसी के राष्ट्रीय हनी मिशन का एक उप-मिशन है। यह अभियान मधुमक्खियों की आबादी, शहद उत्पादन और मधुमक्खी पालकों की आय बढ़ाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम है, जबकि प्रोजेक्ट आरई-एचएबी हाथी के हमलों को रोकने के लिए मधुमक्खी के बक्से को बाड़ के रूप में उपयोग करता है।

15 मार्च, 2021 को कर्नाटक के कोडागु जिले में 11 स्थानों पर प्रोजेक्ट रि-हैब (आरई-एचएबी) शुरू किया गया था। केवल 6 महीनों में ही, इस परियोजना ने हाथियों के हमलों को 70% तक कम कर दिया है।

भारत में हर साल हाथियों के हमले से करीब 500 लोगों की मौत हो जाती है। यह देश भर में बड़ी जंगली जानवरों (बाघ, तेंदुआ,चीता आदि) के हमलों से होने वाली मौतों से लगभग 10 गुना अधिक है। साल 2015 से 2020 तक हाथी के हमलों में लगभग 2500 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके उलट इस संख्या का लगभग पांचवां हिस्सा यानी करीब 500 हाथियों की भी पिछले 5 वर्षों में इंसानों की जवाबी कार्रवाई में मौत हो चुकी है।

बीते समय में, सरकारें हाथियों को रोकने के लिए खाई खोदने और बाड़ लगाने के काम पर करोड़ों रुपये खर्च कर चुकी हैं। साथ ही मानव जीवन के नुकसान के मुआवजे पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। ये खाइयां और कांटेदार तार की बाड़ अक्सर हाथियों के बच्चों की मौत का कारण बनती है और इस प्रकार यह उपाय इन विचारों को काफी हद तक अव्यावहारिक बना देता है।

आईआईटीएफ- 2021 में खादी की लोकप्रियता बढ़ी; 2.88 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज

नई दिल्ली, 08 दिसम्बर, 2021: भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)- 2021 ने खादी कारीगरों को बाजार के नए मार्ग तलाशने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान किया है। इस वर्ष 2.88 करोड़ रुपये की भारी बिक्री, वर्ष 2019 की तुलना में बिक्री में 122% की छलांग, खादी की बढ़ती लोकप्रियता और जनता के बीच स्वीकृति का भी प्रमाण है।

हाल ही में समाप्त हुए भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)- 2021 में खादी उत्पादों की भारी बिक्री हुई है। इसका कुल कारोबार 2.88 करोड़ रुपये का रहा, जिसका श्रेय स्थानीय उत्पादों के लिए सरकार द्वारा दिए गए प्रोत्साहन को जाता है। कोविड महामारी के बाद आयोजित पहले व्यापार मेले में खादी उत्पादों की 2,88,14,553 रुपये की कुल बिक्री दर्ज की गई। यह साल 2019 में 1.30 करोड़ रुपये की बिक्री से 122 फीसदी अधिक है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 2019 में 12 राज्यों के 30 स्टालों की तुलना में इस साल 20 राज्यों के 48 स्टॉल लगाए थे। वहीं, केवीआईसी ने महिला कारीगरों को उच्च प्राथमिकता दी। इसके तहत कुल स्टालों में से 18 (36 फीसदी) महिलाओं को दिए गए। इससे पहले 2019 में महिलाओं की भागीदारी केवल 20 फीसदी तक ही सीमित थी। इसके अलावा खादी इंडिया पवेलियन में लोगों की भारी भीड़ ने एक दिन में बिक्री को 33.03 लाख रुपये तक बढ़ा दिया। 2019 में यह आंकड़ा केवल 21.31 लाख रुपये का था।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बिक्री में इस बढ़ोतरी का श्रेय जनता के बीच खादी की बढ़ती लोकप्रियता और "वोकल फॉर लोकल" पहल को लेकर लोगों के समर्थन को दिया। उन्होंने कहा, "लोगों का एक बड़ा वर्ग विशेषकर युवा, हमारे स्थानीय उत्पादों के लिए काफी मुखर हुए हैं। खादी उत्पादों की भारी बिक्री का आंकड़ा इसका प्रमाण है। खादी "स्वदेशी" का

(शेष पृष्ठ 12 पर.....)

आवरण कथा.....

नौसेना दिवस मनाने के लिए मुंबई में प्रदर्शित हुआ दुनिया का सबसे बड़ा खादी राष्ट्रीय ध्वज

स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज, जो खादी के कपड़े से बना दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज है, को मुंबई में एक भव्य सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा गया था, जब भारतीय नौसेना ने 04.12.2021 को 'नौसेना दिवस' मनाया। नौसेना ने प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया से सटे नौसेना डॉकयार्ड में ध्वज को प्रदर्शित किया।

स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज, जो भारतीयता की सामूहिक भावना और खादी के विरासत शिल्पकला का प्रतीक है, को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा स्वतंत्रता के 75 साल के 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए तैयार किया गया है। केवीआईसी ने ऐतिहासिक अवसरों पर प्रमुख स्थानों पर इसे प्रदर्शित करने के लिए रक्षा बलों को ध्वज सौंप दिया है।

इस साल गांधी जयंती (2 अक्टूबर) को लेह में एक पहाड़ी की चोटी पर ध्वज का अनावरण किया गया था। इसे बाद में 8 अक्टूबर को वायु सेना दिवस के अवसर पर हिंडन एयरबेस पर और 21 अक्टूबर को लाल किले में प्रदर्शित किया गया, इसी दिन भारत ने100 करोड़ कोविड टीकाकरण पूरा किया।

"स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में एक स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित करना माननीय प्रधान मंत्री का सपना था जो विविधता में भारत की अखंडता, इसके पुनरुत्थान, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और खादी कारीगरों की शिल्प कौशल का प्रतीक है। यह झंडा न केवल प्रधानमंत्री के सपने को साकार कर रहा है बल्कि देशवासियों में देशभक्ति की भावना भी जगाता है।" उन्होंने विभिन्न स्थानों पर झंडा फहराने में रक्षा कर्मियों के प्रयासों की सराहना की।

यह स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज 225 फीट लंबा, 150 फीट चौड़ा और वजन (लगभग) 1400 किलोग्राम है। इस झंडे को तैयार करने में 70 खादी कारीगरों को 49 दिन लगे। स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण से खादी कारीगरों और संबद्ध श्रमिकों के लिए लगभग 3500 मानव घंटे का अतिरिक्त कार्य हुआ है। झंडे को बनाने में 4500 मीटर हाथ से काते, हाथ से बुने हुए खादी कॉटन बंटिंग कपड़े का इस्तेमाल किया गया है, जो 33,750 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल को कवर करता है। ध्वज में अशोक चक्र का व्यास 30 फीट है।

गेटवे ऑफ इंडिया पर प्रदर्शित स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज ने बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित किया। अहमदाबाद से मुंबई आयीं एक आईटी पेशेवर क्रांति झा ने कहा, "यह न केवल मेरे लिए, बल्कि पूरे देश के लिए भी बहुत गर्व की बात है कि हम इस इतिहास के निर्माण का हिस्सा हैं।" उनकी भावनाओं को प्रतिध्वनित करने वाली एक गृहिणी श्रीमती पंकजा चतुर्वेदी, जिन्होंने कहा, "मैं भारत के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ध्वज को देखने के बाद अभी अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर सकती। मैं राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन को देखकर बहुत अभिभूत हूं। वास्तव में मेरी आंखों में आंसू आ गए क्योंकि यह ध्वज उन सभी के निस्वार्थ भावना का प्रतीक है जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए बलिदान किया था।" अपनी सहेलियों के साथ झंडा देखने आई वेदिका लाड ने कहा, 'मेरे लिए झंडे को देखना इतिहास से कम नहीं है।"

❑❑

केवीआईसी ने असम में 70 महिला अगरबत्ती कारीगरों के लिए अनोखा बिजनेस मॉडल तैयार किया

गुवाहाटी, 02 दिसम्बर, 2021: केवीआईसी ने असम की 70 आदिवासी महिला उद्यमियों को पीएमईजीपी योजना के तहत अगरबत्ती उत्पादन से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाया है। केवीआईसी ने स्थानीय अगरबत्ती उत्पादन में वृद्धि करने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठा व्यवसाय मॉडल तैयार किया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने असम में महिला अगरबत्ती कारीगरों को सशक्त बनाने तथा स्थानीय अगरबत्ती उद्योग को मजबूत करने के लिए एक अनूठा बिजनेस मॉडल तैयार किया है, जिसकी राज्य में रोजगार सृजित करने में प्रमुख भूमिका है। केवीआईसी ने असम में कामरूप जिले के बिरकुची में अपनी अगरबत्ती निर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रमुख प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 7 0 आदिवासी महिलाओं को शामिल किया है। केवीआईसी ने एक व्यवसायिक सहयोगी भी बनाया है, जो असम का सफल स्थानीय अगरबत्ती निर्माता है। यह सहयोगी कच्चा माल उपलब्ध कराएगा और श्रम शुल्क का भुगतान करके इन 70 महिला उद्यमियों द्वारा बनाई गई अगरबत्ती को वापस लेकर उनकी बिक्री करेगा। ये महिलाएं 7 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी हुई हैं।

केवीआईसी ने 02 दिसम्बर, 2021 को असम के रूपनगर में एक बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र (एमडीटीसी) का भी उद्घाटन किया, जो युवा उद्यमियों को मधुमक्खी पालन, मिट्टी के बर्तन बनाने और चमड़ा उद्योग आदि जैसे विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

अगरबत्ती का यह बिजनेस मॉडल कई मायनों में बेहद अनूठा है क्योंकि ये महिला उद्यमी अपना तैयार उत्पाद बेचने या उसे बाजार में पहुंचाने के झंझट से मुक्त होंगी। वहीं दूसरी ओर, इस मॉडल के तहत व्यवसायिक भागीदार द्वारा नई मशीनों की खरीद पर कोई पूंजीगत लागत खर्च किए बिना ही अगरबत्ती के उत्पादन में वृद्धि होगी। केवीआईसी ने "महाबाहु एग्रो प्रोडक्ट्स" को एक प्रमुख अगरबत्ती निर्माण इकाई से जोड़ा है, जिसे पहले केवीआईसी द्वारा पीएमईजीपी कार्यक्रम के तहत व्यावसायिक भागीदार के रूप में स्थापित किया गया था। यह सहयोगी उच्च गुणवत्ता वाली अगरबत्ती के निर्माण के लिए इन महिला उद्यमियों को सभी प्रकार की तकनीकी सहायता भी प्रदान करेगा। उपलब्ध कराई गई 70 मशीनों से प्रतिदिन लगभग 5600 किलोग्राम अगरबत्ती का भारी मात्रा में उत्पादन होगा, जिसे व्यापारिक भागीदार द्वारा खरीदा जाएगा। केवीआईसी ने अपनी प्रमुख पीएमईजीपी योजना के तहत अगरबत्ती निर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए इन महिलाओं को गुवाहाटी के असम ग्रामीण विकास बैंक के माध्यम से 70 इकाइयों में से प्रत्येक के लिए 5 लाख रुपये की कुल 35 लाख रुपये वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान की है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने गुवाहाटी में इन महिला उद्यमियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किये।

(शेष पृष्ठ 13 पर.....)

स्फूर्ति योजना का अभिसरण

एमएसएमई मंत्रालय विभिन्न समीक्षा बैठकों, क्लस्टरों के दौरे और तीसरे पक्ष के मूल्यांकन आदि के माध्यम से कार्यात्मक स्फूर्ति क्लस्टरों का उनकी लाभप्रदता और विपणन योग्यता के संबंध में नियमित मूल्यांकन करता है। उसी के आधार पर, यह देखा गया है कि कोरोना-19 महामारी के कारण क्लस्टर की विपणन योग्यता और लाभप्रदता के लिए विशेष सहायता की आवश्यकता है। इसे सुनिश्चित करने के लिए, मंत्रालय ने बाजार की मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन विकास और उत्पाद विविधीकरण पर प्रशिक्षण, ई-कॉमर्स पोर्टलों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करने आदि जैसी विभिन्न पहल की हैं।

स्फूर्ति योजना पूरे देश में लागू है। हालांकि, देश भर में योजना की पहुंच का विस्तार करने के लिए, जिलों से प्राप्त बिना अनुमोदित स्फूर्ति क्लस्टर के प्रस्तावों और आकांक्षी जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। मंत्रालय केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रालयों/विभागों की अन्य कल्याणकारी योजनाओं के साथ स्फूर्ति योजना के अभिसरण को प्रोत्साहित करता है। क्लस्टर की कार्यान्वयन एजेंसियों को पहले से ही बैंक खाते खोलने और सभी कारीगरों को सामान्य और स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने की आवश्यकता है।

स्फूर्ति के तहत कारीगरों के लिए न्यूनतम वेतन निर्दिष्ट नहीं किया गया है। तथापि, मंत्रालय इस योजना के तहत पारंपरिक कारीगरों के कौशल को बढ़ाने और उनके उत्पादों के मूल्यवर्धन के लिए ढांचागत सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक पहल करता है, जिससे उनकी आय में स्थायी रूप से वृद्धि होती है।

स्फूर्ति क्लस्टर के कार्यात्मकता की समय-सीमा इसकी मंजूरी के बाद से एक नियमित क्लस्टर (500 कारीगरों तक) के लिए 12 महीने और एक प्रमुख क्लस्टर (500 से अधिक कारीगरों) के लिए 18 महीने है।

मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वयन के तहत क्लस्टरों की नियमित समीक्षा करता है कि क्लस्टरों के कार्यकरण के लिए समय सीमा का पालन किया जाता है।

यह जानकारी केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने 2 दिसंबर, 2021 को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

❖❖

आईआईटीएफ- 2021 में खादी की लोकप्रियता बढ़ी.....

(पृष्ठ 8 से आगे.....)

सबसे बड़ा प्रतीक है व प्रधानमंत्री के अनुरोध ने खादी प्रेमियों के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है।"

खादी इंडिया पवेलियन में महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक सेल्फी प्वाइंट, पश्मीना कताई, मिट्टी के बर्तन बनाने, हस्तनिर्मित कागज बनाने, अगरबत्ती बनाने, हस्तनिर्मित कागज के जूते बनाने, गाय के गोबर से बने अभिनव खादी प्राकृतिक पेंट आदि का सीधा प्रदर्शन लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ था।

इस व्यापार मेले में प्रीमियम खादी फैब्रिक के विभिन्न प्रकार ने भी भारी बिक्री दर्ज की। इनमें पश्चिम बंगाल की मलमल, जम्मू और कश्मीर की पश्मीना, गुजरात की पटोला रेशम, बनारसी रेशम, भागलपुरी रेशम, पंजाब की फुलकारी कला, आंध्र प्रदेश की कलमकारी और कपास, रेशम तथा ऊनी कपड़ों की कई अन्य किस्में शामिल हैं।

ट्रेडमार्क पंजीकरण

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के लिए अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण (वर्डमार्क- खादी) और अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण (खादी लोगो) प्राप्त करने वाले देशों का विवरण इस प्रकार है:

अंतर्राष्ट्रीय ट्रेडमार्क पंजीकरण	देशों के नाम
अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण (वर्डमार्क- खादी)	जर्मनी, यूके, ऑस्ट्रेलिया, रूस, चीन, ओमान, कुवैत, मैक्सिको, म्यांमार, मालदीव
अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण (खादी लोगो)	भूटान, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, मेक्सिको, यूके, म्यांमार, ऑस्ट्रिया, मालदीव

नोट: मालदीव में कोई ट्रेडमार्क पंजीकरण कानून नहीं है। म्यांमार (पंजीकृत शीर्षक की घोषणा)

विदेशों में ट्रेडमार्क पंजीकरण के बाद खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) उत्पादों के निर्यात में जबरदस्त वृद्धि होने की संभावना है। जैसा कि एक समन्वित निर्यात होगा, अधिक से अधिक लोग इन खादी ट्रेडमार्क के तहत खादी उत्पादों के निर्यात के लिए आगे आएंगे।

सभी ग्रामोद्योग इकाइयां (ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम-आरईजीपी/प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-पीएमईजीपी) केवीआई उत्पादों के निर्माण में लगी हुई, व्यापारी, स्टॉकिस्ट, थोक विक्रेता आदि केवीआईसी से शुल्क के भुगतान पर ट्रेडमार्क लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। ट्रेडमार्क लाइसेंसिंग कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ, "खादी इंडिया" ट्रेडमार्क लाइसेंस के लिए औसतन 10,000 इकाइयों को पंजीकृत किया जाना है और लाभ प्राप्त करना है।

यह जानकारी केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने 09 दिसंबर 2021 को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

केवीआईसी ने असम में 70 महिला अगरबत्ती कारीगरों.....

(पृष्ठ 11 से आगे.....)

केवीआईसी ने इन इकाइयों को सहयोग प्रदान करने के लिए 35 फीसदी यानी 12.25 लाख रुपये की सब्सिडी दी है। इस बैंक ऋण से उद्यमियों को स्वचालित अगरबत्ती बनाने की मशीन, मिक्सर मशीन और ड्रायर मशीन प्रदान की गई है। इन महिलाओं को जल्द ही मशीनें मिल जाएंगी।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य कारीगरों को संगठित करना और स्थानीय अगरबत्ती उद्योग का सहयोग करना है, जिसे पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार से काफी बढ़ावा मिला है। बहुत कम निवेश में महिला उद्यमियों के लिए स्थायी रोजगार का सृजन करते हुए अगरबत्ती उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की यह एक अनूठी पहल है। श्री सक्सेना ने कहा कि केवीआईसी देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसे ही व्यवसायिक मॉडल तलाशेगा जो छोटे उद्यमियों को सशक्त ही नहीं करेगा बल्कि घरेलू अगरबत्ती उत्पादन में भी काफी वृद्धि करेगा।

इस मॉडल को दो प्रमुख निर्णयों के मद्देनजर तैयार किया गया है - कच्ची अगरबत्ती पर आयात प्रतिबंध और बांस की छड़ियों पर आयात शुल्क में वृद्धि। स्थानीय अगरबत्ती उद्योग का समर्थन करने के लिए इन निर्णयों को क्रमशः वाणिज्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय द्वारा लिया गया है। देश में अगरबत्ती की वर्तमान खपत लगभग 1790 मीट्रिक टन प्रति दिन है। हालांकि, भारत में अगरबत्ती का एक दिन का उत्पादन सिर्फ 760 मीट्रिक टन है। मांग और आपूर्ति के बीच बहुत बड़ा अंतर है और इसलिए इस क्षेत्र में रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं।

❖❖

आयोग के अध्यक्ष ने 100 महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने 10 दिसंबर 2021 को दिल्ली स्थित केवीआईसी के बहु उद्योगीय प्रशिक्षण केंद्र में ब्यूटीशियन पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित 100 महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

केवीआईसी इन उद्यमियों को "नौकरी चाहने वालों" के बजाय "नौकरी प्रदाता" बनने के लिए प्रेरित कर रहा है।

यह आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम है।

गुवाहाटी में नया बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र

केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 02.12.2021 को केवीआईसी के माननीय सदस्य, पूर्वोत्तर क्षेत्र श्री दुयू तामो, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पूर्वोत्तर क्षेत्र डॉ. सुकमल देब एवं अध्यक्ष, असम ग्रामीण विकास बैंक, डीजीएम-एसबीआई, जीएम-नाबार्ड, डीआईसी, केवीआईबी, सरकार के अन्य पदाधिकारी, बैंकर, पीएमईजीपी उद्यमी की उपस्थिति में गुवाहाटी में आयोग के नए बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अगरबत्ती के 7 स्वयं सहायता समूहों और 43 पीएमईजीपी उद्यमियों को स्वीकृति पत्रों का वितरण किये गये। इस अवसर पर एक प्रेस सम्मेलन का भी आयोजन किया गया।

एमएसएमई में रोजगार के अवसर

नई दिल्ली, 06 दिसंबर, 2021: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (जुलाई 2015- जून 2016) द्वारा संचालित अनिगमित गैर-कृषि उद्यमों पर एनएसएस रिपोर्ट के 73वें दौर के अनुसार; एमएसएमई में नियोजित व्यक्तियों की अनुमानित संख्या लगभग 11.10 करोड़ है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत वर्ष 2016-17, 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21 और 2021-22 (15.11.2021 तक) के दौरान सूक्ष्म उद्यमों में उत्पन्न अनुमानित रोजगार (व्यक्तियों की संख्या) क्रमशः 4.08 लाख, 3.87 लाख, 5.87 लाख, 5.33 लाख, 5.95 लाख और 2.90 लाख हैं।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) देश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करता है। इनमें पीएमईजीपी, सूक्ष्म और लघु उद्यम-क्लस्टर विकास कार्यक्रम (एमएसई-सीडीपी), पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए निधि की योजना (स्फूर्ति), सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) और नवाचार, ग्रामीण उद्योग और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक योजना (एस्पायर) शामिल हैं।

सरकार ने देश में विशेष रूप से कोविड -19 महामारी में एमएसएमई क्षेत्र का समर्थन करने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत कई पहल की हैं। उनमें से कुछ हैं:

i).एमएसएमई के लिए 20,000 करोड़ रुपये का अधीनस्थ ऋण।

ii). एमएसएमई सहित व्यवसाय के लिए 3 लाख करोड़ रुपये का संपार्श्विक मुक्त स्वचालित ऋण।

iii). एमएसएमई फंड ऑफ फंड्स के जरिए 50,000 करोड़ रु. का इक्विटी निवेश।

iv). एमएसएमई के वर्गीकरण के लिए नए संशोधित मानदंड।

v). व्यवसाय करने में आसानी के लिए 'उद्यम पंजीकरण' के माध्यम से एमएसएमई का नया पंजीकरण।

vi). 200 करोड़ रुपये तक की खरीद के लिए कोई वैश्विक निविदा नहीं। इससे MSME को मदद मिलेगी।

जैसा कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट द्वारा 16.11.2021 को रिपोर्ट किया गया, अधीनस्थ ऋण के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसएसडी) के तहत 81.47 करोड़ रुपये राशि की 754 गारंटी स्वीकृत की गयी हैं। आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत आत्मनिर्भर भारत अभियान के हिस्से के रूप में, दिनांक 12.11.2021 तक 2.82 लाख करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है।

यह जानकारी केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

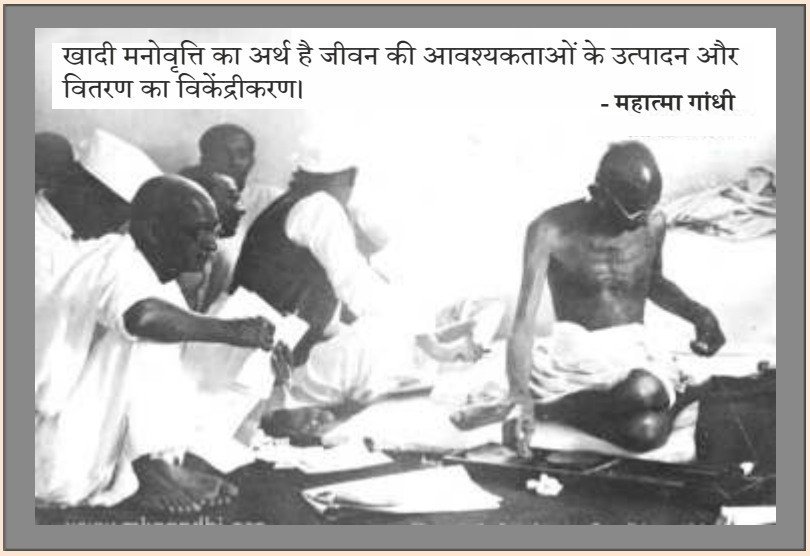

प्रसिद्ध गायिका और अभिनेत्री इला अरुण ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यालय का दौरा किया, वह उचित मूल्य पर खादी साड़ियों की विभिन्न किस्मों, पर्यावरण के अनुकूल ग्रामोद्योग व हर्बल उत्पादों, पारंपरिक खादी कुर्ता पायजामा, साबुन, शैंपू और हेयर व स्किन केयर उत्पादों की किस्मों को देखकर अभिभूत हुईं।

गुजरात से कैलिफोर्निया तक

हाथ से बनी खादी डेनिम ने एक बड़ा वैश्विक उद्यम बनाया है। संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रमुख परिधान ब्रांड "पेटागोनिया" अब राजकोट से खादी डेनिम कपड़े खरीद रहा है।

खादी एक बार फिर वैश्विक हुई; अमेरिकी फैशन ब्रांड "पैटागोनिया" ने अपने परिधानों के लिए खादी डेनिम को चुना

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 2021: स्थायित्व और शुद्धता के प्रतीक खादी ने वैश्विक फैशन क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। अमेरिका स्थित विश्व के अग्रणी फैशन ब्रांड पैटागोनिया अब डेनिम परिधान बनाने के लिए हाथ से बने खादी डेनिम कपड़ों का उपयोग कर रहा है। पैटागोनिया ने कपड़ा बनाने वाली कंपनी अरविन्द मिल्स के माध्यम से लगभग 30,000 मीटर खादी डेनिम कपड़ा गुजरात से खरीदा है। इसकी कीमत 1.08 करोड़ रुपये है।

जुलाई 2017 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने खादी डेनिम उत्पादों का विश्व में व्यापार करने के लिए अरविन्द मिल्स लिमिटेड, अहमदाबाद के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अरविन्द मिल्स, केवीआईसी प्रमाणित गुजरात के खादी संस्थाओं से प्रत्येक वर्ष बड़ी मात्रा में खादी डेनिम कपड़ा खरीदती है।

केवीआईसी की इस नई पहल से गुजरात के खादी कारीगरों के लिए न केवल अतिरिक्त मानव घंटों का सृजन हो रहा है, बल्कि प्रधानमंत्री का"लोकल टू ग्लोबल" का सपना भी पूरा हो रहा है। पैटागोनिया द्वारा खादी डेनिम खरीदने से 1.80 लाख मानव घंटों का सृजन हुआ है, यानी खादी बुनने वाले कारीगरों के लिए 27,720 मानव दिवस का सृजन हुआ है। अक्टूबर 2020 में ऑर्डर दिया गया और समय के अनुसार 12 महीने में यानी अक्टूबर, 2021 में यह पूरा कर लिया गया।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि खादी सर्वाधिक फैशनेबल और ट्रेंड सेटिंग पहनावा हो गया है जबकि खादी ने विश्व में सर्वाधिक टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल कपड़े का अपना मौलिक मूल्य बनाये रखा है। उन्होंने कहा कि खादी डेनिम विश्व में अकेला हाथ से बना डेनिम कपड़ा है जिसे देश और विदेश में व्यापक लोकप्रियता मिली है। खादी डेनिम का उपयोग तेजी से अग्रणी फैशन ब्रांड कर रहे हैं क्योंकि इसकी गुणवत्ता श्रेष्ठ है, यह अरामदेह है, जैविक है और इसकी गुणवत्ता पर्यावरण अनुकूल है। खादी डेनिम प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित''लोकल टू ग्लोबल'' का सटीक उदाहरण है।

पिछले वर्ष पैटागोनिया के एक दल ने राजकोट के गोंडल स्थित खादी संस्था उद्योग भारती का दौरा किया। यह दल खादी डेनिम बनाने की प्रक्रिया देखने आया था। बनाने की प्रक्रिया और हाथ से बने खादी डेनिम कपड़े की गुणवत्ता से प्रभावित होकर पैटागोनिया ने अरविन्द मिल्स के माध्यम से विभिन्न मात्राओं में खादी डेनिम कपड़ा खरीदने का आदेश दिया।

खरीद को अंतिम रूप देने से पहले पैटागोनिया ने अमरीका स्थित वैश्विक डर्थ पार्टी असेसर (मूल्यांकनकर्ता) नेस्ट की नियुक्ति गोंडल में डेनिम बनाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया यानी कताई, बुनाई, भुनाई, डाईन, वेतन भुगतान, श्रमिकों की आयु का सत्यापन आदि सम्पूर्ण प्रक्रिया के मूल्यांकन के लिए की। उद्योग भारती के सभी मानकों का व्यापक मूल्यांकन करने के बाद नेस्ट ने प्रमाण-पत्र में कहा, "कताई और हथकरघा बुनाई का काम अब नेस्टसील ऑफ एथिकल हैंडक्राफ्ट के लिए पात्र हो गये हैं।" यह पहला मौका है जब कार्यसंचालन में आचार मानकों की पूर्ति के लिए देश में किसी संस्थान का मूल्यांकन और प्रमाणीकरण अंतर्राष्ट्रीय स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा किया गया है।

चार प्रकार के डेनिम कपड़ों के लिए ऑर्डर दिये गए हैं जो 100 प्रतिशत सूती हैं और जिनकी चौड़ाई 28 इंच से 34 इंच है।

❑❑

पीएमईजीपी योजना के सफलता की कहानियां

युवा उद्यमी हेनरी सिंगुरा ने मशरूम की खेती को सफल व्यावसायिक उद्यम के रूप में विकसित किया

मिजोरम के श्री हेनरी सिंगुरा ने मशरूम की खेती को एक सफल व्यवसाय उद्यम बना दिया है और क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। हेनरी हमेशा अपने स्थानीय लोगों के लिए कुछ करने का सपना देखते थे इसलिए उन्होंने 2019 में फूड माइक्रो लैब की स्थापना की।

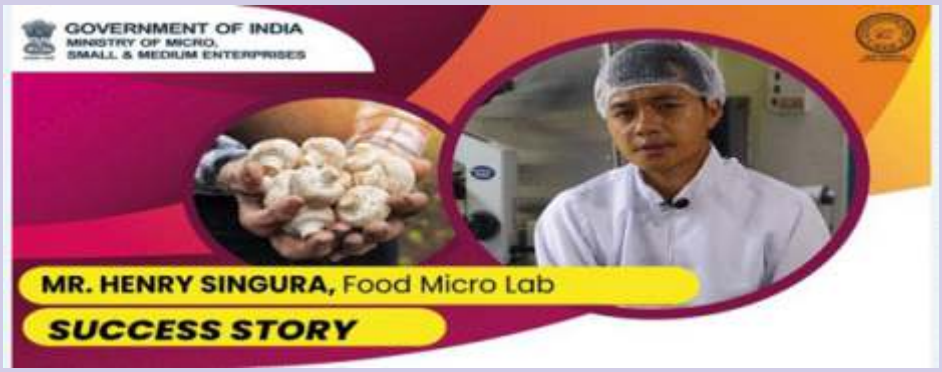

एमएसएमई की प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना ने उनके उद्यम को सफल बनाने में एक प्रमुख भूमिका निभाई।

हेनरी का कहना है कि, "मिजोरम में मशरूम आय का एक मुख्य स्रोत है। एक स्टार्टअप होने के नाते, फंडिंग हमारे सामने आने वाली मुख्य समस्याओं में से एक थी। पीएमईजीपी योजना के तहत हमें ऋण और 35 फीसदी सब्सिडी मिली। इससे हमारे स्टार्टअप को काफी मदद मिली।

"आज हेनरी एक सफल उद्यमी के रूप में काम कर रहे हैं और लोगों को मशरूम की खेती में प्रशिक्षण दे रहे हैं। उनकी शुरुआती चुनौती थी अपने स्टार्टअप के लिए फंडिंग हासिल करना और इसके लिए उन्हें पीएमईजीपी योजना के तहत एमएसएमई मंत्रालय का सहयोग मिला। ❁❁

पीएमईजीपी योजना बनी-अंजू डेविस के आत्मनिर्भरता की यात्रा

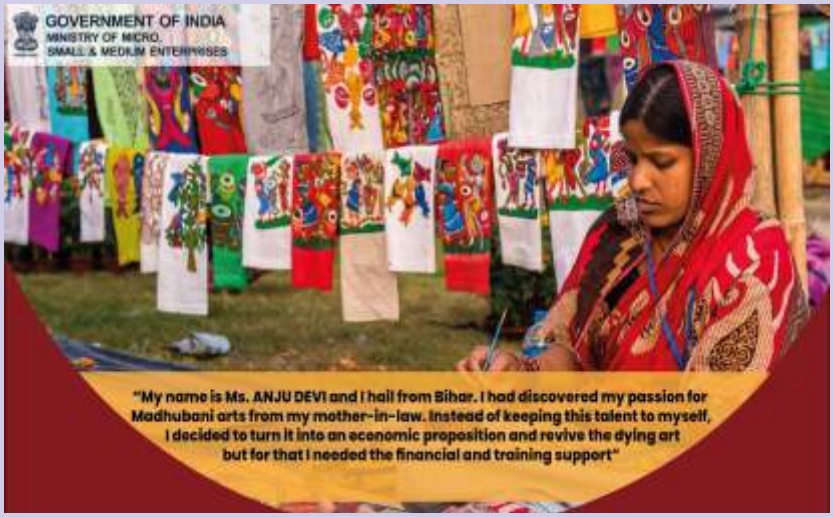

अंजू देवी बिहार की रहने वाली हैं। पीएमईजीपी योजना ने उन्हें मधुबनी पेंटिंग में डिप्लोमा प्राप्त करने में मदद की और अपना उद्यम शुरू करने के लिए ऋण प्रदान किया। मधुबनी कला के प्रति अपने जुनून को जीवित रखते हुए, उन्होंने इसे एक आर्थिक साध्य में बदलने और लुप्त होती कला को पुनर्जीवित करने का फैसला किया। आज उनके "एसएसडी मिथिला आर्ट्स" नामक उद्यम ने उन्हें न केवल एक गौरवान्वित उद्यमी बनाया है, बल्कि कई अन्य महिलाओं को रोजगार प्रदान करके उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाया है।

अन्य महिलाओं के लिए उनका संदेश है, "ऐसी गतिविधि चुनें जिसमें आपकी रुचि हो, जो आपको आत्मनिर्भर बनाती हो और साथ ही साथ आपके आसपास की अन्य महिलाओं को रोजगार प्रदान करती हो। कड़ी मेहनत, लगन, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और निरंतर नवाचार सफलता की ओर ले जाएगा।"

पीएमईजीपी योजना वित्तीय और प्रशिक्षण सहायता प्रदान करती है, एवं अंजू देवी और कई अन्य लोगों के लिए सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। ❁❁

विविध

वाराणसी में विशेष खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन

दिनांक 29.12.2021 से 02.01.2022 तक आयोजित विशेष खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन आयोग के माननीय विशेषज्ञ सदस्य श्री मनोज कुमार गोयल द्वारा केवीआईसी, वाराणसी के कार्यालय परिसर में 20.12.2021 को किया गया। 12 से अधिक राज्यों की खादी संस्थाओं और पीएमईजीपी इकाइयां ने इस प्रदर्शनी में अपने उत्कृष्ट खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के साथ भाग लिया।

आजमगढ़ में पीएमईजीपी के अन्तर्गत जागरूकता शिविर आयोजित

आयोग के मंडलीय कार्यालय, गोरखपुर द्वारा दिनाँक 23.12.2021 को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन वर्मा श्यामदुलारी पी.जी. कालेज, मैदान रौनापार, आजमगढ में किया गया जिसमें क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, आजमगढ़, प्रबंधक बड़ौदा यू पी ग्रामीण बैंक, नोडल अधिकारी, पीएमईजीपी श्री मुकेश कुमार श्रीवास्तव तथा स्वयं सेवी संस्था के जन प्रतिनिधि श्री ओमप्रकाश सिंह एवं श्री अखिलेश सिंह तथा बड़ी संख्या में पीजी कालेज के छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

सी. बी. कोरा ग्रामोद्योग संस्थान द्वारा जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

आयोग के सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, महाराष्ट्र राज्य कार्यालय, मुंबई एवं मराठा प्रतिष्ठान, घाटकोपर के संयुक्त रूप में 16.12.2021 को आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में आयोग द्वारा संचालित किये जा रहे विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं पीएमईजी सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुई आयोग उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री संजयजी हेडाऊ।

विशाखापत्तनम ने ग्रामोद्योग कार्यक्रम पर जागरूकता शिविर का आयोजन

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, विशाखापत्तनम ने 20.12.2021 को ग्रामोद्योग कार्यक्षेत्र कार्यक्रम पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया है, जिसमें आरसेटी, एसबीआई, विशाखापत्तनम, उप निदेशक, केवीआईसी, विजाग, एलडीएम एवं डीआईसी, एपीकेवीआईबी, एनवाईके, महिला निगम के पदाधिकारी सहित ग्राम सरपंचों, स्वयं सहायता समूह सदस्यों, पीएमईजीपी लाभार्थियों, आरसेटी प्रशिक्षण छात्रों ने शिविर में लिया।

आयोग के राज्य कार्यालय, त्रिपुरा ने 22.12.2021 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया।

अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड में दिनांक 23.12.2021 को पीएमईजीपी के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को आयोग के विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं से जोड़ना था।

प्रशिक्षित छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित

आयोग के सी.बी. कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, बोरीवली एवं एक स्वयंसेवी संस्था प्रयास (टाटा सामाजिक विज्ञान संस्था) व्दारा आयोजित 6 दिवसीय पेपर कन्वर्जन का प्रशिक्षण सत्र संपन्न हुआ।

सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान के निदेशक/प्राचार्य श्री असद मालिक ने प्रशिक्षित छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए इस अवसर पर संस्थान के कार्यकारी, श्री उमाकांत डोईफोडे तथा प्रयास संस्था के श्रीमती शिंदे, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती प्रमिला मारुपुरी उपस्थित थे।

आयोग के गजानन नाईक बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, दहानू द्वारा दिनांक 15.12.21 को आईना ग्राम पंचायत में स्वयं सहायता समूह को नीरा से गुड बनाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया जिसमें 11 स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया जहां उन्हें खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सभी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी विशेष रुप से नीरा से संबंधित सभी जानकारियां प्रदान की गयी।

उद्योग और वाणिज्य आयुक्त कार्यालय, अगरतला, त्रिपुरा के सम्मेलन हॉल में 20.12.2021 को आयोजित बैंकर्स बैठक में निदेशक (उद्योग एवं वाणिज्य) ने बैठक की अध्यक्षता की।

विविध

आयोग के राज्य कायार्लय, त्रिपुरा द्वारा दिनांक 19.12.21 को तारानगर, पश्चिम त्रिपुरा जिला में मिट्टी के बर्तन बनाने हेतु कुम्हारी प्रशिक्षण के तहत प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया

आयोग के राज्य कायार्लय, उत्तराखण्ड द्वारा दिनांक 18.12.2021 को ग्राम अमोडी जिला चंपावत उत्तराखंड में प्रधान मंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आयोग के राज्य कायार्लय, त्रिपुरा द्वारा दिनांक 17.12.2021 को चामोनू, जिला धलाई, त्रिपुरा में 5 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आयोग के एमडीटीसी, त्रिचूर में 16.12.2021 को खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के तकनीकी कर्मचारियों के लिए खादी सूत कताई सिद्धांत/व्यावहारिक प्रशिक्षण कक्षाएं शुरु की गयी।

महाराष्ट्र के वज्राट में दिनांक 16.12.21 को खादी कताई और बुनाई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन केवीआईसी हुबली के निदेशक श्री एस. एस. तांबे ने किया।

आईटीआई, तेलियामुरा, खोवाई जिला, त्रिपुरा में दिनांक 9.12.21 को पीएमईजीपी पर आयोजित जागरूकता शिविर

दिनांक 16.12.21 को आरएसईटीआई, बिश्रामगंज, जिला सिपाहीजला, त्रिपुरा में प्रशिक्षुओं को ईडीपी प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया

विविध

दिनांक 15.12.21 को आईटीआई, तेलियामुरा, खोवाई जिले में आयोजित बैंकर्स समीक्षा बैठक । बैठक में एलडीएम, खोवाई, जीएम, डीआईसी, खोवाई, बैंकों, केवीआईसी के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हनी मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत रि-हैब प्रोजेक्ट के कियान्वयन हेतु चयनित ग्राम-चौसाला, फारेस्ट रेंज फतेहपुर, रामनगर फारेस्ट डिविजन, रामनगर, जिला-नैनीताल उत्तराखंड में योजना की जानकारी देने एवं 33 अभ्यर्थियों के चयन हेतु दिनांक 15.12.2021 को जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम प्रधान श्री भोपाल सिंह बिष्ट, पूर्व प्रधान श्री मौ. यासीन, वन विभाग की ओर श्री जोगा राम, वन दरोगा एवं अन्य वन कर्मियों सहित लगभग 55 ग्रामीणों द्वारा भाग लिया गया।

बडगाम में पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर का आयोजन

आयोग के प्रमुख कार्यक्रम पीएमईजीपी पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन उपायुक्त कार्यालय, बडगाम में आयोजित किया गया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की विभिन्न योजनाओं के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर बडगाम, श्री शाहबाज अहमद मिर्जा, पीएमईजीपी योजना के नोडल अधिकारी, जम्मू-कश्मीर श्री अनिल कुमार शर्मा, प्रमुख जिला प्रबंधक, जम्मू-कश्मीर बैंक, निदेशक आरएसईटीआई, जिला समन्वयक केवीआईसी, बडगाम और बड़ी संख्या में स्थानीय युवा उपस्थित थे।

आयोग के सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, मुंबई एवं छत्रपती प्रतिष्ठान, मुंबई ने संयुक्त रूप से गझदर बांध, सातांक्रुज (पश्चिम), मुंबई में 03.12.2021 को आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में आयोग द्वारा संचालित किये जा रहे विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं पीएमईजी सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुई आयोग के कार्यकारी-ग्रामोद्योग श्री उमाकांत डोईफोडे, इस अवसर पर प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री रवींद्र, सामाजिक कार्यकर्ता श्री मिलिंद खैरे, टैक्सी युनियन के अध्यक्ष/सचिव सहित बड़ी संख्या में पुरुष-महिला सदस्य उपस्थित थे।

प्रेस कवरेज

2 Sprouts, Sunday, December 5, 2021

Khadi Monumental National Flag displayed in Mumbai to Celebrate Navy Day

JYOTI DUBEY | SPROUTS

The Monumental National Flag, which is the world's largest national flag made of Khadi fabric, was put to a grand public display in Mumbai, as the Indian Navy celebrated 'Navy Day' on Saturday. The Navy displayed the flag at the Naval Dockyard adjacent to the iconic Gateway of India.The Monumental National Flag, which symbolizes the collective spirit of Indian-ness and the heritage artisanal craft of Khadi, has been conceptualized and prepared by Khadi and Village Industries Commission (KVIC) to celebrate 'Azadi ka Amrit Mahotsav', the 75 years of Independence. KVIC has handed over the flag to the Defence forces for displaying the same at prominent places on historic occasions.

The flag was unveiled on Gandhi Jayanti (2nd October) this year at a hilltop in Leh. It was later on displayed at Hindon Airbase on the occasion of Air Force Day on 8th October and at the Red Fort on 21st October, that marked the completion of 100 crore Covid vaccinations in India.

"It was the dream of the Hon'ble Prime Minister to have a Monumental National Flag in the 75th year of Independence that symbolizes India's integrity in diversity, its resurgence, the sacrifices of our freedom fighters and the craftsmanship of Khadi artisans. This flag is not only fulfilling the Prime Minister's dream but it also evokes a sense of patriotism among the countrymen," KVIC Chairman, Shri Vinai Kumar Saxena said. He lauded the efforts of the defence personnel in displaying the flag at different places. The Monumental National Flag measures 225 feet long, 150 feet wide and weighs (approx.) 1400 KG. It took 49 days for 70 Khadi artisans to prepare this flag. Making of the Monumental National Flag has created nearly 3500 man hours of additional work for Khadi artisans and allied workers. A whopping 4500 meters of hand-spun, hand-woven Khadi cotton bunting has been used in making the flag which covers the total area of 33, 750 square feet. The Ashok Chakra in the flag measures a diameter of 30 feet.

The Monumental National Flag at The Gateway Of India attracted a huge number of visitors. Kranti Jha, an IT professional had come all the way to Mumbai from Ahmedabad, said, " It's a matter of immense pride for not just me, but also for the whole country that we are a part of history in the making." Echoing his sentiments was a housewife Smt. Pankaja Chaturvedi, who said, "I just cannot express my feelings right now after seeing the iconic National Flag of India.

Iam way too overwhelmed after seeing the national flag on display. It actually got tears in my eyes because this flag symbolises all the selfless sacrifices that many people had done for the freedom of India." Vedika Lad, who had come with her friends to see the flag, said, "For me, witnessing the flag is nothing short of history in the making".

WORLDS LARGEST FLAG LAUNCHED ON NAVY DAY

V.Narayan@timesgroup.com

The Western Naval Command of the Indian Navy exhibited the world's largest national flag at Mumbai's Naval Dockyard, overlooking the iconic Gateway of India on Navy Day, as part of 'Azadi ka Amrit Mahotsav' on Saturday. The flag measured 225 feet in length and 150 feet in width and weighed about 1400 kgs and is made of Khadi and was manufactured in 49 days with 70 Khadi artisans to prepare this flag.

A defence spokesperson said the Indian national flag has been conceptualized and manufactured by the Khadi and Village Industries and Commission as part of the 'Azadi ka Amrit Mahotsav.' The Indian Navy rededicates itself to the service of the nation on Navy Day. It renews its pledge and commitment to protect and promote national interests and serve the people of India through this small but important gesture of exhibiting the monumental national flag.

A spokesperson for Khadi and Village Industries Commission (KVIC) said the monumental national flag has been conceptualized and prepared by them to celebrate the 75 years of India's Independence. KVIC has handed over the flag to the defence forces for displaying the same at prominent places on historic occasions. "The flag was unveiled on Gandhi Jayanti (October 2) this year at a hilltop in Leh. It was later on displayed at Hindon Airbase on the occasion of Air Force Day on October 8 and at the Red Fort on October 21, which marked the completion of 100 crore Covid vaccinations in India. KVIC Chairman, Vinai Kumar Saxena lauded the efforts of the defence personnel in displaying the flag at different places. "The flag has created nearly 3500 man hours of additional work for Khadi artisans and allied workers. A whopping 4500 meters of hand-spun, hand-woven Khadi cotton bunting has been used in making the flag," he said.

नौसेना दिवस पर खादी के राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन

विश्व के सबसे बड़े राष्ट्रीय ध्वज को देखने उमड़ी भीड़

महानगर संवाददाता

मुंबई

भारतीय नौसेना ने शनिवार को नौसेना दिवस जोश के साथ मनाया। इस अवसर पर खादी से निर्मित यादगार राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन किया गया जो दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज है. इस ध्वज को गेटवे ऑफ इंडिया से सटे नौसेना के डॉकयार्ड में सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा गया है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हुए।

गौरतलब हो कि स्मरणीय राष्ट्रीय ध्वज खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा स्वतंत्रता के 75 वर्ष पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए तैयार किया गया है। केवीआईसी ने ऐतिहासिक अवसरों पर इसे प्रदर्शित करने के लिए रक्षा बलों को सौंप दिया है। इस वर्ष गांधी जयंती पर लेह की एक ऊंची पहाड़ी की चोटी पर ध्वज का अनावरण किया गया था। खादी और ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि ऐतिहासिक राष्ट्रीय ध्वज 225 फीट लंबा, 150 फीट चौड़ा और लगभग 1400 किलोग्राम वजनी है। इस झंडे को तैयार करने में 70 खादी कारीगरों को 49 दिन लगे। ध्वज के निर्माण से खादी कारीगरों और श्रमिकों के लिए लगभग 3500 घंटे का अतिरिक्त कार्य सृजित हुआ है। झंडे को बनाने में 4500 मीटर हाथ से कते, हाथ से बुने हुए खादी कॉटन बंटिंग का इस्तेमाल किया गया है, जो 33,750 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल को कवर करता है। ध्वज में अशोक चक्र का व्यास 30 फीट है।

नौसेना दिवस के अवसर पर वेस्टर्न नेवल कमांड ने नेवल डॉकयार्ड मुंबई में विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्र ध्वज प्रदर्शन के लिए रखा। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने विश्व के सबसे बड़े तिरंगे को 49 दिन में 70 खादी कारीगरों की मदद से तैयार किया है। 225 फीट लंबे, 150 फीट चौड़े ध्वज का कुल वजन 1,400 किलो है। झंडे को बनाने में 4,500 मीटर हाथ से कते, हाथ से बुने हुए खादी कॉटन बंटिंग का इस्तेमाल किया गया है, जो 33,750 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल को कवर करता है। ध्वज में अशोक चक्र का व्यास 30 फीट है।

प्रेस कवरेज

नेवी डे पर नौसेना ने किया सबसे बड़े तिरंगे का प्रदर्शन

■ मुंबई। नेवी डे के अवसर पर पश्चिमी नेवल कमांड ने मुंबई के नेवल डॉकयार्ड पर विश्व के सबसे बड़े राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन किया है। खादी के कपड़े से बने इस ध्वज की लंबाई २२५ फीट और चौड़ाई १५० फीट है, जबकि झंडे का वजन ९,४०० किलो है। आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में इसे खादी, ग्रामोद्योग और आयोग ने बनाया है। नेवी डे के मौके पर नौसेना ने कहा कि वह राष्ट्र की सुरक्षा के लिए समर्पित है। नेवी ने राष्ट्र हित और लोगों की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता इस सबसे बड़े झंडे का प्रदर्शन कर फिर दोहराया है।

नौदल दिनानिमित्त फडकला सर्वात मोठा तिरंगा

प्रतिनिधी/मुंबई : नौदल दिनानिमित्त नौदल सप्ताहचे आयोजन करण्यात आले आहे. १९७१ च्या भारत-पाकिस्तान युद्धादरम्यान ऑपरेशन ट्रायडंट सुरू झाल्याच्या स्मरणार्थ मुंबईतील गेटवे ऑफ इंडिया येथे 'बीटिंग द रिट्रीट' कार्यक्रम झाला. यावेळी नौदलाने जगातील सर्वात मोठा तिरंगा तयार केला. गेटवे ऑफ इंडियाच्या समोर नौदलाच्या पश्चिम विभागाच्या मुख्यालयात हा राष्ट्रध्वज प्रदर्शित केला. हा राष्ट्रध्वज खादीने बनवला आहे. याची लांबी २२५ फूट असून १५० फूट रुंदी आहे. त्याचे वजन १४०० किलो आहे. या राष्ट्रध्वजाचे डिझाईन आणि उत्पादन हे खादी आणि ग्रामोद्योग आयोगाने केले आहे.

नौदलाने उभारला जगातील सर्वात मोठा राष्ट्रध्वज

नौदल सप्ताहानिमित्त विविध उपक्रम

मुंबई, नवराष्ट्र न्यूज नेटवर्क. जगातील सर्वात मोठा आणि वजनदार राष्ट्रध्वज भारतीय नौदलाच्या पश्चिम विभागाने मुंबईतील गेटवे ऑफ इंडियाजवळ नौदल गोदीच्या टोकाला उभारला आहे. २२५ फूट रुंद १५० फूट उंच व चौदाशे किलो वजनाचा हा राष्ट्रध्वज खादी ग्रामोद्योग विभागाने तयार केला आहे.

सध्या सुरु असलेल्या नौदल सप्ताहानिमित्त नौदलाचे विविध उपक्रम सुरु आहेत. त्याचाच एक भाग म्हणून हा राष्ट्रध्वज उभारण्यात आला आहे. खादीचा हा राष्ट्रध्वज धरून ठेवण्यासाठी दोन विशेष क्रेनचा वापर करण्यात आला आहे. नौदल गोदीतच हा राष्ट्रध्वज उभारण्यात आला आहे. कालपासून हा ध्वज उभारण्याचे काम सुरु होते. एरवी खांबावर किंवा अन्य मार्गाने त्याला बांधून उभा करणे फारच कटकटीचे ठरले असते.

खांबावर उभारला असता तरी त्याची दुसरी बाजू खालच्या दिशेने झुकली असती व त्या ध्वजाचे सौंदर्य खुलून दिसले नसते. त्यामुळे त्याला ताठ उभे ठेवण्यासाठी वेगळ्याच विचारांती क्रेनचा वापर करण्याचे ठरले. खादी ग्रामोद्योग विभागाने स्वातंत्र्याच्या अमृतमहोत्सवी वर्षानिमित्त या ध्वजाची संकल्पना मांडून तो तयार केला. त्यानंतर नौदल दिनानिमित्त त्या ध्वजाचे अनावरण करून तो राष्ट्राला अर्पण करण्याची जबाबदारी नौदलाने स्वीकारली.

प्रेस कवरेज

आय फिटनेस नौदलाने उभारला गेट वे ऑफ इंडियाच्या उंचीचा तिरंगा

जगातील सर्वात मोठा आणि वजनदार राष्ट्रध्वज उभारून भारतीय नौदलाच्या पश्चिम विभागाने शनिवारी इतिहास रचला. २२५ फूट रुंद, १५० फूट उंच आणि १,४०० किलो वजनाचा हा राष्ट्रध्वज खादी ग्रामोद्योग विभागाने तयार केला आहे. स्वातंत्र्याच्या अमृतमहोत्सवी वर्षानिमित्त खादी ग्रामोद्योग विभागाने या ध्वजाची संकल्पना मांडून त्याची निर्मिती केली, तर ध्वजाचे अनावरण करून राष्ट्राला अर्पण करण्याची जबाबदारी नौदलाने स्वीकारली.

Mumbai Main
Page No. 3 Dec 05, 2021

यशोभूमि

गेटवे ऑफ इंडिया के पास फहराया गया दुनिया का सबसे बड़ा 'राष्ट्रीय ध्वज'

मुंबई, भारत के प्रवेश द्वार माने जाने वाले गेटवे ऑफ इंडिया के पास नौसैनिक गोदी के किनारे पर शनिवार, 4 दिसंबर को दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे भारी राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। यह राष्ट्रीय ध्वज खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बनाया गया है और इसका वजन 1,400 किलोग्राम है। झंडा 225 फीट चौड़ा और 150 फीट ऊंचा है और इसे दुनिया के सबसे बड़े राष्ट्रीय ध्वज के रूप में मान्यता दी जाएगी। देश में इस समय भारतीय नौसेना सप्ताह का आयोजन चल रहा है। इस मौके पर तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में शनिवार को मुंबई में नेवल डॉकयार्ड के किनारे पर सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके लिए दो विशेष क्रेनों का इस्तेमाल किया गया था। नौसेना ने शुक्रवार से झंडा फहराना शुरू किया। नौसेना ने कहा कि इसके लिए क्रेन का इस्तेमाल किया गया था। ध्वज की अवधारणा खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा भारतीय स्वतंत्रता की अमृत वर्षगांठ के अवसर पर पेश की गई थी।

(छाया : दीपक साल्वी)

Main Edition
Page No.3 December 05, 2021

जगातील सर्वांत मोठा राष्ट्रध्वज

म. टा. खास प्रतिनिधी, मुंबई

नौदल दिनानिमित्त शनिवारी नौदल गोदीत भव्य तिरंगा फडकविण्यात आला. हा जगातील सर्वांत मोठा राष्ट्रध्वज ठरला आहे. १४०० किलो वजनाचा हा ध्वज पूर्णपणे खादीचा असून 'खादी इंडिया' महामंडळाने तयार केला आहे.

४ डिसेंबर या नौदल दिनानिमित्त नौदलाच्या पश्चिम कमांडने शनिवारी विविध कार्यक्रम आयोजित केले होते. यांतर्गत सकाळी गोदीतील कमांड मुख्यालयासमोर तिरंगा फडकविण्यात आला. हा ध्वज २२५ फूट लांब व १५० फूट उंचीचा आहे. गेट वे ऑफ इंडियासमोरच हा झेंडा फडकविण्यात आला आहे. त्यावेळी अधिकाधिक नागरिकांना नौदलाची माहिती मिळावी. तसेच अधिकाधिक तरुण-तरुणींनी करिअर म्हणून नौदलात यावे यासाठी कुलाबा येथील फिनिक्स मॉलमध्येदेखील विशेष आयोजन करण्यात आले होते. नौदलाची माहिती चलचित्र रूपात देणारे स्क्रीन तेथे उभारण्यात आले होते. तसेच हेलिकॉप्टरचे मॉडेलदेखील होते.

नौदल दिनाचा मुख्य कार्यक्रम सायंकाळी गेट वे ऑफ इंडियावर राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी व पश्चिम कमांडचे प्रमुख व्हाइस अ‍ॅडमिरल अजेंद्र बहादूर सिंह यांच्या प्रमुख उपस्थितीत झाला. नौदलाकडून खोल समुद्रात होणारे बचावकार्य, शत्रूच्या पाणबुडीचा शोध घेणे, समुद्री चाच्यांविरुद्धची कमांडो कारवाई यांचे सादरीकरण यावेळी करण्यात आले. नौदलाच्या ताफ्यातील पाणबुडीविरोधी सी किंग, अत्याधुनिक सोनार रडारने सज्ज असलेले एएलएच, कामोव्ह व चेतक या हेलिकॉप्टरने त्यात सहभाग घेतला.

यावेळीच नौदल एनसीसीतील छात्रसैनिक मुले व मुलींच्या तुकडीने आकर्षक पथसंचलन सादर केले. छात्रसैनिक मुलींनी स्कॉटलंड पोलिसांच्या धर्तीवर पथ नृत्यांद्वेदेखील सादरीकरण केले. त्यानंतर नौदलाच्या वाद्यवृंदाने केलेल्या 'बीटिंग द रिट्रीट'द्वारे सोहळ्याची सांगता झाली.

- नौदल दिनानिमित्त मुंबईतील नौदल गोदीत तिरंग्याची उभारणी
- पूर्णपणे खादीचा आणि १४०० किलो वजनाचा ध्वज
- गेट वे ऑफ इंडियावर रंगला सोहळा

सकाळ

मुंबई : ४ डिसेंबर नौदल दिन म्हणून साजरा करण्यात येतो. त्यानिमित्त शनिवारी गेटवे ऑफ इंडिया परिसरात नौदलाच्या जवानांनी विविध प्रात्यक्षिके दाखवून संचलन केले. नौदल गोदीच्या टोकाला उभारण्यात आलेला जगातील सर्वात मोठा २२५ फूट लांब, १५० फूट रुंद व चौदाशे किलो वजनाचा राष्ट्रध्वज कार्यक्रमाची शान ठरला. (प्रशांत चव्हाण : सकाळ छायाचित्र सेवा)

गेटवेजवळ सर्वात मोठा राष्ट्रध्वज

२२५ फूट लांब आणि १५० फूट रुंद तिरंग्याची शान

मुंबई, ता. ४ : जगातील सर्वात मोठा आणि वजनदार राष्ट्रध्वज भारतीय नौदलाच्या पश्चिम विभागाने गेटवे ऑफ इंडियाजवळ नौदल गोदीच्या टोकाला उभारला आहे. २२५ फूट लांब, १५० फूट रुंद व चौदाशे किलो वजनाचा राष्ट्रध्वज खादी ग्रामोद्योग विभागाने तयार केला आहे.

नौदल सप्ताहानिमित्त नौदलाचे सध्या विविध उपक्रम सुरू आहेत. जगातील सर्वात मोठा राष्ट्रध्वज शनिवारी नौदल दिनानिमित्त झालेल्या कार्यक्रमाची शान ठरला. हेलिकॉप्टरच्या मदतीने त्याची काढण्यात आलेली विहंगम छायाचित्रे नजर खिळवून ठेवत होती.

नौदल गोदीत खादीचा राष्ट्रध्वज उभारण्यासाठी दोन विशेष क्रेनचा वापर करण्यात आला आहे. एरवी खांबावर किंवा अन्य मार्गाने राष्ट्रध्वज बांधून उभा करणे फारच जिकिरीचे ठरले असते. ध्वज खांबावर उभारला असता तरी त्याची दुसरी बाजू खालच्या दिशेने झुकली असती व त्याचे सौंदर्य खुलून दिसले नसते. त्यामुळे तो सरळ उभा ठेवण्यासाठी क्रेनचा वापर करण्याचे ठरले. खादी ग्रामोद्योग विभागाने स्वातंत्र्याच्या अमृतमहोत्सवी वर्षानिमित्त ध्वजाची संकल्पना मांडून तो तयार केला. त्यानंतर नौदल दिनानिमित्त ध्वजाचे अनावरण करून तो राष्ट्राला अर्पण करण्याची जबाबदारी नौदलाने स्वीकारली आहे. नौदलाच्या जवानांचे संचलन पाहण्यासाठी नागरिकांनी मोठ्या प्रमाणात गर्दी केली होती.

नौदल दिनानिमित्त जगातील सर्वात मोठा आणि वजनदार तिरंगा भारतीय नौदलाच्या पश्चिम विभागाने मुंबईतील गेट वे ऑफ इंडियाजवळ नौदल गोदीच्या टोकाला उभारला आहे. २२५ फूट रुंद १५० फूट उंच व चौदाशे किलो वजनाचा हा राष्ट्रध्वज खादी ग्रामोद्योग विभागाने तयार केला आहे. या वेळी झालेल्या नौदलाच्या 'बीटिंग द रिट्रीट' सोहळ्यास राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी उपस्थित होते.

प्रेस कवरेज

नौसेना दिवस : मुंबई में खादी स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित

■ जागरूक टाइम्स संवाददाता

मुंबई। भारतीय नौसेना ने शनिवार को 'नौसेना दिवस' मनाया। इस अवसर पर खादी वस्त्र से बना दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज 'स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज' मुंबई में एक भव्य सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा गया। नौसेना ने प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया से सटे नौसेना डॉकयार्ड में ध्वज प्रदर्शित किया, जिसमें बड़ी संख्या में आगंतुक आए। स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज, जो भारतीयता की सामूहिक भावना और खादी की विरासत कारीगर हस्तकला का प्रतीक है, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा स्वतंत्रता के 75 वर्ष 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए तैयार किया गया है। केवीआईसी ने ऐतिहासिक अवसरों पर प्रमुख स्थानों पर इसे प्रदर्शित करने के लिए रक्षा बलों को ध्वज सौंप दिया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि, स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में एक स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज का प्रधानमंत्री का सपना था, जो विविधता में भारत की अखंडता, इसके पुनरुत्थान, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और खादी कारीगरों की शिल्प कौशल का प्रतीक है। यह झंडा न केवल प्रधानमंत्री के सपने को पूरा कर रहा है बल्कि देशवासियों में देशभक्ति की भावना भी जगाता है।' उन्होंने विभिन्न स्थानों पर झंडा फहराने में रक्षा कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज 225 फीट लंबा, 150 फीट चौड़ा और इसका वजन (लगभग) 1400 किलोग्राम है। इस झंडे को तैयार करने में 70 खादी कारीगरों को 49 दिन लगे। स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण से खादी कारीगरों और संबद्ध श्रमिकों के लिए लगभग 3500 मानव घंटे का अतिरिक्त कार्य सृजित हुआ है। झंडे को बनाने में 4500 मीटर हाथ से कते, हाथ से बुने हुए खादी कॉटन बंटिंग का इस्तेमाल किया गया है, जो 33,750 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल को कवर करता है। ध्वज में अशोक चक्र का व्यास 30 फीट है।

जगातील सर्वात मोठा राष्ट्रध्वज गेटवे जवळ झळकला

मुंबई : जगातील सर्वात मोठा ओळख असणारा राष्ट्रध्वज शनिवार, ४ डिसेंबर रोजी भारताचे प्रवेशद्वार समजले जाणाऱ्या गेट वे ऑफ इंडिया जवळ असलेल्या नेव्हल गोदीच्या ठिकाणी प्रदर्शनात आला आहे.

हा राष्ट्रध्वज खादी ग्रामोद्योग विभागाने तयार केला असून तब्बल १ हजार ४०० किलो वजनाचा आहे. या राष्ट्रध्वजाचा आकार २२५ फूट लांब आणि १५० फूट उंच इतका असून हा जगातील सर्वात मोठा राष्ट्रध्वज म्हणून ओळखला जाणार आहे.

देशात सध्या भारतीय नौदलाचा सप्ताह सुरू आहे, यानिमित्ताने विविध कार्यक्रम आयोजित केले जात आहेत. याच पार्श्वभूमीवर शनिवारी मुंबईतील नेव्हल गोदीच्या ठिकाणी हा सर्वात मोठा राष्ट्रध्वज उभारण्यात आला आहे. यासाठी विशेष क्रेनचा वापर करण्यात आला. यासाठी सुरक्षाव्यवस्था नौदलाकडून हा ध्वज उभारणीचे काम सुरू होते. त्यासाठी क्रेनचा वापर केल्याचे नौदलाकडून सांगण्यात आले. भारतीय स्वातंत्र्याच्या अमृत महोत्सवी वर्षानिमित्त खादी ग्रामोद्योग विभागाने या ध्वजाची संकल्पना मांडली होती. त्यानंतर तो तयार करण्यात आला होता. नौदलदिनाच्या पार्श्वभूमीवर या राष्ट्रध्वजाचे अनावरण करून तो राष्ट्राला अर्पण करण्याची जबाबदारी यंदाही नौदलाने पार पाडली.

विशाल तिरंगा प्यारा... | नौदल दिनानिमित्त नौदलाच्या पश्चिम कमांडने शनिवारी विविध कार्यक्रम आयोजित केले होते. हे औचित्य साधून नौदल गोदीत विशाल तिरंगा फडकविण्यात आला. जगातील सर्वात मोठा असा हा राष्ट्रध्वज ठरला आहे. याचे वजन १४०० किलो असून, तो पूर्णपणे खादीचा आहे.

➤ पान...५

दुनिया के सबसे बड़े राष्ट्र ध्वज का अनावरण

मुंबई,(सं) 'नौसेना दिवस' के अवसर पर दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज पश्चिमी नौसेना कमान के सौजन्य से नेवल डॉकयार्ड में शनिवार को प्रदर्शित किया गया है, यह तिरंगा ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया के बगल में है. नौसेना, पश्चिमी कमान के प्रवक्ता ने बताया कि 225 फीट लंबे और 150 फीट चौड़े इस झंडे का वजन लगभग 1400 किलोग्राम है और यह खादी से बना है. आजादी के अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में इसे खादी-ग्रामोद्योग और आयोग द्वारा निर्मित किया गया है.

नौसेना दिवस के अवसर पर मुंबई में प्रदर्शित खादी स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज

मुंबई। भारतीय नौसेना ने शनिवार को नौसेना दिवस मनाया इस अवसर पर स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज, जो खादी वस्त्र से बना दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज है, को मुंबई में एक भव्य सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा गया। नौसेना ने प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया से सटे नौसेना डॉकयार्ड में ध्वज प्रदर्शित किया, जिसमें बड़ी संख्या में आगंतुक आए। स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज, जो भारतीयता की सामूहिक भावना और खादी की विरासत कारीगर हस्तकला का प्रतीक है, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा स्वतंत्रता के 75 वर्ष ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ मनाने के लिए तैयार किया गया है। केवीआईसी ने ऐतिहासिक अवसरों पर प्रमुख स्थानों पर इसे प्रदर्शित करने के लिए रक्षा बलों को ध्वज सौंप दिया है। इसी वर्ष गांधी जयंती (2 अक्टूबर) को लेह में एक पहाड़ी की चोटी पर ध्वज का अनावरण किया गया था। इसके बाद में 8 अक्टूबर को वायु सेना दिवस के अवसर पर हिंडन एयरबेस पर और 21 अक्टूबर के दिन जब भारत में 100 करोड़ कोविड टीकाकरण पूरा होने पर लाल किले में प्रदर्शित किया गया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि, स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में एक स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज का माननीय प्रधान मंत्री का सपना था जो विविधता में भारत की अखंडता, इसके पुनरुत्थान, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और खादी कारीगरों की शिल्प कौशल का प्रतीक है। यह झंडा न केवल प्रधानमंत्री के सपने को पूरा कर रहा है बल्कि देशवासियों में देशभक्ति की भावना भी जगाता है। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर झंडा फहराने में रक्षा कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज 225 फीट लंबा, 150 फीट चौड़ा और इसका वजन (लगभग) 1400 किलोग्राम है। इस झंडे को तैयार करने में 70 खादी कारीगरों को 49 दिन लगे। स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण से खादी कारीगरों और संबद्ध श्रमिकों के लिए लगभग 3500 मानव घंटे का अतिरिक्त कार्य सृजित हुआ है। झंडे को बनाने में 4500 मीटर हाथ से कते, हाथ से बुने हुए खादी कॉटन बंटिंग का इस्तेमाल किया गया है, जो 33,750 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल को कवर करता है। ध्वज में अशोक चक्र का व्यास 30 फीट है। गेटवे ऑफ इंडिया पर स्थित स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज ने बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित किया। अहमदाबाद से मुंबई आए एक आईटी पेशेवर क्रांति झा ने कहा, “यह न केवल मेरे लिए, बल्कि पूरे देश के लिए भी बहुत गर्व की बात है कि हम इतिहास का एक हिस्सा हैं।” उनकी भावनाओं की तरह ही स्वर मिलाने वाली एक गृहिणी श्रीमती पंकजा चतुर्वेदी थीं, जिन्होंने कहा, हमें भारत के गौरव के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को देखकर अभी अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर सकती।

प्रेस कवरेज

KVIC organises Awareness Camp on PMEGP at Shopian

SHOPIAN, DECEMBER 22: Khadi and Village Industries Commission today organized an awareness camp on flagship Prime Minister's Employment Generation programme at the Meeting Hall of Deputy Commissioner's office, here.

Appreciating the efforts of KVIC for organising such awareness camps, the Additional Deputy Commissioner (ADC) Shopian, Mushtaq Ahmad Simnani described PMEGP as the most beneficial scheme for the rural unemployed youth.

The ADC added that such awareness camps greatly help in guiding the youth towards earning income through self-employment ventures which they can establish under various schemes.

The programme was organised with the aim to create general awareness amongst the public about the schemes of Khadi and Village Industries Commission with special focus and benefits under the PMEGP Scheme.

Principal/ Nodal Officer PMEGP, J&K, Anil Kumar Sharma; Asst. Director (Employment); Lead District Manager, J&K Bank; Director RSETI; District Coordinator KVIC Budgam and a large number of local youth were present.

Earlier, Sharma gave a PowerPoint presentation on PMEGP. He informed the gathering about the online process of PMEGP applications.

He also provided information about the recently started upgradation of PMEGP scheme under which a beneficiary can avail loan up to 25 Lacs in Service Sector and upto 1 crore in Manufacturing Sector.

KVIC to help 70 women set up *agarbatti*-making units

STAFF REPORTER

GUWAHATI, Dec 2: The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has created a unique business model to empower women *agarbatti* makers in Assam and strengthen the local *agarbatti* industry, which is a major employment generator in the State.

KVIC has engaged 70 tribal women under the flagship Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) to set up their own *agarbatti* manufacturing units at Birkuchi in Kamrup district. It has also roped in a business partner – a successful local *agarbatti* manufacturer of Assam – that will provide raw material and take back all the *agarbatti* produced by these 70 women entrepreneurs by paying labour charges. These women belong to seven self-help groups.

The *agarbatti* business model is unique as the entrepreneurs will be free from the hassles of selling their finished goods. And, the business partner will enhance its production without incurring any capital cost on purchasing new machines

KVIC has engaged Mahabahu Agro Products, a leading *agarbatti* manufacturing unit, which was earlier set up by KVIC under the PMEGP programme, as the business partner. It will also extend all technical support to these women entrepreneurs for manufacturing high quality agarbatti.

According to a PIB release, the *agarbatti* business model is unique in the sense that these women entrepreneurs will be free from the hassles of selling or marketing their finished goods. On the other hand, the business partner will enhance its production of *agarbatti* without incurring any capital cost on purchasing new machines.

The 70 machines used by the 70 women entrepreneurs will produce a huge quantity of nearly 5,600 kg of *agarbatti* daily that will be purchased by the business partner.

KVIC, under its flagship PMEGP scheme, has facilitated a total financial aid of Rs 35 lakh – Rs 5 lakh each for the 70 units – through Assam Gramin Vikash Bank, Guwahati to these women, to set up the *agarbatti* manufacturing units.

KVIC chairman Vinai Kumar Saxena on Thursday handed over sanction letters to these women entrepreneurs at a function in Guwahati. KVIC has given a subsidy of 35 per cent – i.e. Rs 12.25 lakh to support these units. With this bank loan, the entrepreneurs have been provided with automatic *agarbatti*-making machines, mixer machine and dryer machine. These women will get the machines soon.

The KVIC chairman said the initiative aims at handholding the workers and supporting the local *agarbatti* industry which has received a big boost from the Central Government in the last couple of years. "It is a unique initiative to make India 'aatmanirbhar' in *agarbatti* production while creating sustainable employment for women entrepreneurs with minimal investment," he said.

The model has been designed in the wake of the two major decisions – import restriction on raw *agarbatti* and increase in import duty on bamboo sticks – taken by the Union Ministry of Commerce and Ministry of Finance, respectively, to support the local *agarbatti* industry.

ગુજરાત સત્તા DT:10-12-2021 | FRIDAY 10

રાણપુરનું ભાલ નળકાંઠા ખાદી ગ્રામોદ્યોગ મંડળ મહિલાઓ માટે બન્યું રોજગારી કેન્દ્ર

ઊની ખાદીમાં ૨૫૦ મહિલાઓને રોજગારી આપતું રાણપુર નું ભાલ નળકાંઠા ખાદી ગ્રામોદ્યોગ મંડળ- એક માત્ર એવી સસ્થા કે જ્યાં તમામ વસ્તુઓ એકજ જગ્યાઓ ઉપર બને છે :શિયાળામાં અહીંની વસ્તુઓની વધુ હોય છે માંગ

ગુજરાતની ઊની ખાદી ની એક માત્ર સસ્થા છે --ગોવિંદસિંગ ડાભી --ચેરમેન ભાલ નળકાંઠા ખાદી ગ્રામોદ્યોગ મંડળ

ભાલ નળકાંઠા ખાદી ગ્રામોદ્યોગના સ્થાપક એટલે સંતશ્રી સંતબાલજી

झाँसी जागरण

बुन्देलखण्ड में अभी भी रोज़गार की कमी

...ार के चलन में कमी, युवक-

प्रेस कवरेज

दैनिक भास्कर

आत्मनिर्भर बुंदेलखंड' के लिए के.वी.आई.सी की बड़ी पहल

असम में महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने की पहल

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अगरबत्ती व्यवसाय में 70 आदिवासी महिलाओं को लगाया

सुमी हालदार | बन सकें।

कमल से ऑर्गेनिक कपड़ा बनाकर लोगों को रोजगार

मैं मूल रूप से कोलकाता की हूं। लेकिन मेरे माता-पिता नौकरी के सिलसिले में गुजरात के वडोदरा में आकर रहने लगे। यहीं पर मैं वडोदरा की एम. एस. यूनिवर्सिटी से पीएच.डी कर रही हूं। मुझे नए-नए फैशन के बारे में पता लगाना और प्रकृति से जुड़ी चीजों का उपयोग करना काफी पसंद है। दुनिया भर में पर्यावरण के अनुकूल फैब्रिक की काफी मांग है, इसीलिए मैंने ऑर्गेनिक फाइबर पर शोध किया। जब मैं वर्ष 2018 में पढ़ाई कर रही थी, तभी अंतिम वर्ष के प्रोजेक्ट के लिए मैंने इस विषय पर शोध करना शुरू कर दिया था। मैंने कमल की डंडी से ऑर्गेनिक फाइबर (धागा) तैयार किया है। इसे हम सूत या रेशम के साथ मिलाकर भी तैयार कर सकते हैं, क्योंकि पूरी तरह से कमल की डंडी से बना धागा बाजार की मांग पूरी नहीं कर सकता। इसलिए हम कॉटन ब्लेंड के साथ भी इसे बनाते हैं। इसे व्यावसायिक रूप देने के लिए मैं दूसरी महिलाओं को भी यह काम सिखा रही हूं, ताकि उन्हें भी रोजगार मिल सके। मैं इससे कपड़े तैयार कर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहती हूं। (विभिन्न संवाददाताओं पर आधारित)

शुरू किया प्रोजेक्ट

मैंने वडोदरा के 'हैप्पी फैमिली वडोदरा' एनजीओ की मदद से प्रोजेक्ट शुरू कर एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू की है। इसके तहत मैंने कुल आठ महिलाओं को कमल की डंडी से धागा बनाने का काम सिखाया है। आगे और भी महिलाओं को इससे जोड़ने का काम कर रही हूं ताकि इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके।

कमल से ऑर्गेनिक कपड़ा

इन दिनों मैं कमल की डंडी से तैयार धागे से स्टोल बनाने का काम कर रही हूं। फिर इससे कपड़े बनाने का काम किया जाएगा। इसके लिए मैंने कपड़ा के कारीगरों से भी मदद ली है। कमल की डंडी से बने कपड़े के स्टोल हम उनसे तैयार कर लेंगे, जिसके बाद इसे अलग-अलग प्रदर्शनियों में भी प्रदर्शित किया जाएगा।

महिलाओं को रोजगार

हाथों से इसे बनाने में काफी समय लगता है, इसलिए इस काम को आसान बनाने के लिए मैं एक मशीन तैयार कर रही हूं, ताकि इससे तैयार कपड़े को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके और बड़ी संख्या में महिलाओं को रोजगार मिल सके। इस काम से महिलाएं अपनी कला को भी निखार पा रही हैं और उन्हें इससे अच्छी खासी आमदनी भी होती है। आज मेरे इस काम की हर कोई तारीफ कर रहा है।

केवीआईसी से बनेगा आत्मनिर्भर बुंदेलखंडः भानु प्रताप वर्मा

केवीआईसी से बनेगा आत्मनिर्भर बुंदेलखंड। भानु प्रताप वर्मा, प्रशिक्षित उद्यमियों को मंत्री ने बांटे निःशुल्क मशीनरी/टूलकिट

झांसी | संवाददाता

दीनदयाल सभागार में कौशल विकास स्वरोजगार योजनाओं में उद्यमियों को मशीनरी बांटते मंत्री भानुप्रताप वर्मा व केवीआईसी के अध्यक्ष। • हिन्दुस्तान

कुंभकारों को दिए इलेक्ट्रिक चाक, खुले स्वरोजगार के द्वार

संवाद न्यूज एजेंसी

खादी ग्रामोद्योग के कार्यक्रम में लाभार्थियों को उपकरण देते केंद्रीयमंत्री भानु प्रताप वर्मा व खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना।

झांसी। बुंदेलखंड के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की कौशल विकास योजनाओं से जुड़े सैकड़ों लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उपकरणों का वितरण किया गया। इसमें प्रशिक्षित लाभार्थियों को विद्युत चालित चाक, मधुमक्खी के बक्से और अगरबत्ती बनाने की मशीन वितरित की गई।

पंडित दीनदयाल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री भानु प्रताप वर्मा, केवीआईसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि मशीनें ग्रामीण कारीगरों की आजीविका का साधन साबित होंगी। सरकार पीएमईजीपी, हनी मिशन और कुम्हार सशक्तिकरण जैसी योजनाओं को लागू कर रोजगार सृजन में तेजी ला रही है। अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने बताया कि बुंदेलखंड खादी ग्रामोद्योग आयोग की प्राथमिकता पर है। ताकि यहां के किसानों, युवाओं, महिलाओं के लिए स्वरोजगार पैदा हो। पिछले 3 वर्षों में 300 से अधिक कुम्हार परिवारों को सशक्त किया है।

दीनदयाल सभागार में हुआ खादी, ग्रामोद्योग आयोग का कार्यक्रम

कार्यक्रम में 200 मधुमक्खी पालन के लिए बक्से, 100 विद्युत चालित चाक और 50 अगरबत्ती बनाने वाली मशीनों का वितरण किया गया। लाभार्थियों को इन मशीनों पर कार्य करने का प्रशिक्षण भी दिया।

कुंभकारों को दिए इलेक्ट्रिक चाक, खुले स्वरोजगार के द्वार

प्रेस कवरेज

खादी मेला में उमड़ रही ग्राहकों की भीड़

वाराणसी। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के तेलियाबाग स्थित मंडलीय कार्यालय में चल रहे खादी मेला का सोमवार को औपचारिक उद्घाटन हुआ। आयोग के विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) मनोज कुमार गोयल ने उद्घाटन किया। दूसरी तरफ, मेला में ग्राहकों की जारी भीड़ उमड़ी। सर्द मौसम के अनुरूप लोग खरीदारी करने में मशगूल नजर आए। अतिथियों का स्वागत करते हुए मंडलीय निदेशक/प्रभारी डीएस भाटी ने बताया कि 15 दिवसीय इस मेले में खादी उत्पाद मसलन रेडीमेड गारमेंट्स, जैकेट, ऊनी वस्त्र, सिल्क साड़ी आदि तथा ग्रामोद्योगी उत्पादों में हर्बल उत्पाद, अचार-मुरब्बा, पापड़, शहद, अगरबत्ती, साबुन, चर्म उत्पाद, ड्राई फ्रूट्स आदि उपलब्ध कराये गये है। यहां पर उत्तर प्रदेश के अलावा देश के विभिन्न राज्यों की संस्थाएं अपने उत्कृष्ट उत्पादों को प्रदर्शित की हैं। इस प्रदर्शनी का आयोजन जनता के बेहद मांग पर आयोजित किया गया है। श्री भाटी ने बताया कि खादी मेले के कारोबार का लक्ष्य करीब 3 करोड़ है।

जनवार्ता वाराणसी

विशेष खादी प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

2 जनवरी तक चलने वाली प्रदर्शनी में कई राज्यों, जनपदों के स्टॉल

खादी प्रदर्शनी का फीता काट कर उद्घाटन करते मनोज गोयल व अन्य।

वाराणसी (जनवार्ता)। सोमवार को कार्यालय परिसर, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, तेलियाबाग में आयोजित विशेष खादी प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विशिष्ट सदस्य (विपणन) मनोज कुमार गोयल के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। [illegible]

खादी उत्पादका निरीक्षण करते मनोज कुमार गोयल। छाया : आज

प्रदर्शनीमें कश्मीरसे लेकर नागालैण्ड तकके उत्पाद

विशेष खादी प्रदर्शनी का शुभारंभ

[illegible]

वाराणसी, 21 दिसंबर, 2021 दैनिक जागरण 7

खादी मेले में हर स्टाल पर वोकल फार लोकल के रंग

जागरण संवाददाता, वाराणसी : खादी उत्पाद के उत्पादकों को बाजार दिलाने के उद्देश्य से खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 15 दिन के मेले का आयोजन किया है। यह मेला तेलियाबाग स्थित कार्यालय परिसर में लगाया गया है। इसका उद्घाटन सोमवार को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विशेष सदस्य (विपणन) मनोज कुमार गोयल ने किया। मेले में लगे स्टालों का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने कहा कि इस मेले में देश भर के खादी उत्पादों को मंच मिला है। खादी को ब्रांडिंग के दम पर ही बुनकरों के उत्पादों को बाजार मिलता है। मेले में पहले दिन युवाओं की खूब भीड़ उमड़ी। सौंदर्य प्रसाधन के स्टाल पर युवतियों और महिलाओं की खूब भीड़ उमड़ी रही। इस दौरान संदीप सिंह, रमेश चंद्र तिवारी, यूपी सिंह, श्रीप्रकाश पांडेय, सत्येंद्र सिंह थे।

खादी ग्रामोद्योग और आयोग के निदेशक डीएस भाटी ने बताया कि खादी मेले में काशी सहित अन्य प्रदेशों के उत्पादों के 110 स्टाल लगाए गए हैं। बताया कि उत्तर प्रदेश के अलावा पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, झारखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के ख्यात उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई है।

प्रेस कवरेज

खादी प्रदर्शनी में 'वोकल फॉर लोकल' हुआ मुखर

तेलियाबाग स्थित खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मंडलीय कार्यालय परिसर में प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद स्टाल का निरीक्षण करते आयोग के विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) मनोज कुमार गोयल। • हिन्दुस्तान

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

तेलियाबाग स्थित खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मंडलीय कार्यालय परिसर में विशेष खादी प्रदर्शनी शुरू हो गई। आयोग के विशेषज्ञ सदस्य विपणन मनोज कुमार गोयल ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि खादी प्रदर्शनी वोकल फॉर लोकल को चरितार्थ करती है। कत्तिन बुनकरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह सशक्त माध्यम है। खादी प्रदर्शनी में एक मंच पर दूरदराज के कत्तिन बुनकर अपने खास उत्पादों को लेकर आते हैं, जिससे ग्राहकों को एक जगह पर विभिन्न उत्पादों की खरीदारी का अवसर मिलता है।

मंडलीय कार्यालय के निदेशक डीएस भाटी ने कहा कि प्रदर्शनी में 120 स्टॉल लगे हैं। दो जनवरी तक प्रदर्शनी चलेगी। इसमें रेडीमेड गारमेंट, अगरबत्ती, ऊनी कपड़े, सिल्क साड़ी, हर्बल उत्पादों के स्टॉल शामिल हैं।

खादी प्रदर्शनी में पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, नागालैंड के उत्पाद लेकर कत्तिन बुनकर आए हैं। इस दौरान पूर्वांचल खादी संगठन ट्रस्ट के अध्यक्ष संदीप सिंह, खादी आश्रमों के क्षेत्रीय मंत्री रमेशचंद्र तिवारी, श्रीप्रकाश पांडेय, सत्येंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

खादी मेला में उमड़ रही ग्राहकों की भारी भीड़

वाराणसी। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के तेलियाबाग स्थित मंडलीय कार्यालय में चल रहे खादी मेला का सोमवार को औपचारिक उद्घाटन हुआ। आयोग के विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) मनोज कुमार गोयल ने उद्घाटन किया। दूसरी तरफ, मेला में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी। सर्द मौसम के अनुरूप लोग खरीदारी करने में मशगूल नजर आए। अतिथियों का स्वागत करते हुए मंडलीय निदेशक/प्रभारी डीएस भाटी ने बताया कि 15 दिवसीय इस मेले में खादी उत्पाद मसलन रेडीमेड गारमेंट्स, जेक्ट, ऊनी वस्त्र, सिल्क साड़ी आदि तथा ग्रामोद्योगी उत्पादों में हर्बल उत्पाद, अचार-मुरब्बा, पापड़, शहद, अगरबत्ती, साबुन, चर्म उत्पाद, ड्राई फ्रूट्स आदि उपलब्ध कराये गये हैं। यहां पर उत्तर प्रदेश के अलावा देश के विभिन्न राज्यों की संस्थाएं अपने उत्कृष्ट उत्पादों को प्रदर्शित की है।

19 दिसम्बर रविवार, 2021 (वाराणसी)

खादी उत्पादों की प्रदर्शनी आज से

वाराणसी (स्टेट मीडिया) शहर तथा उसके आस पास के जनपदों के निवासियों की भारी मांग पर 15 दिवसीय विशेष खादी प्रदर्शनी का आयोजन आज से कार्यालय परिसर खादी और ग्रामोद्योग आयोग, तेलियाबाग, वाराणसी में किया जा रहा है। प्रदर्शनी 19 दिसंबर से 2 जनवरी, 2022 तक चलेगी। प्रदर्शनी में देश के कई राज्यों की खादी संस्थाएं एवं पी.एम.ई.जी.पी./आर.ई.जी.पी. इकाईयां अपने उत्कृष्ट उत्पादों के साथ भाग ले रही हैं प्रदर्शनी में संस्थाओं एवं इकाईयों के उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री हेतु लगभग 100 सुसज्जित स्टालों का निर्माण किया गया है। प्रदर्शनी में खादी उत्पाद जैसे रेडीमेड गारमेंट, जैकेट, ऊनी वस्त्र, सिल्क साड़ी इत्यादि तथा ग्रामोद्योगी उत्पाद जैसे हर्बल उत्पाद, अचार, मुरब्बा, पापड़, शहद, अगरबत्ती, साबुन, चर्म उत्पाद, ड्राई फ्रूट्स इत्यादि प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए उपलब्ध है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक/ प्रभारी डी. एस. भाटी ने बताया कि खादी प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन खादी और ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना के करकमलों द्वारा किया जाना सुनिश्चित हुआ है तथा इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य (विपणन) मनोज कुमार की उपस्थित रहेंगी। भाटी ने बताया कि क्षेत्र की जनता की बृहद मांग पर खादी प्रदर्शनी कार्यालय परिसर में लगाई जा रही है जिसका लाभ क्षेत्र की जनता को मिल सकेगा।

खादी प्रदर्शनी में गर्म कपड़ों की बढ़ी मांग

वाराणसी। खादी और ग्राम उद्योग आयोग की ओर से तेलियाबाग में 15 दिवसीय खादी प्रदर्शनी में दो दिन में 17 लाख रुपये की बिक्री हुई। इसमें सबसे ज्यादा गर्म कपड़ों बिके।

दो जनवरी 2022 तक चलने वाली प्रदर्शनी में देश के 12 राज्यों के 110 स्टालों पर सैकड़ों प्रकार के उत्पादों को शामिल किया गया है। निदेशक डीएस भाटी ने बताया कि 19 से 20 दिसंबर के बीच प्रदर्शनी में लगे स्टालों से 17 लाख रुपये की बिक्री हुई। इसमें ऊनी रेडीमेड कपड़ों की सबसे ज्यादा बिक्री हुई। सोमवार को प्रदर्शनी के उद्घाटन की औपचारिकताएं पूरी की गईं। उद्घाटन आयोग के विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) मनोज कुमार ने किया। इस मौके पर आयोग के उद्घाटन के दौरान पूर्वांचल खादी संगठन ट्रस्ट के अध्यक्ष, संदीप सिंह, रमेश चंद्र तिवारी, प्रकाश, सत्येंद्र सिंह रहे। संवाद

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार की ओर से संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत मंगलवार को टिहरी के चंबा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। • हिन्दुस्तान

युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण की जानकारी दी

देहरादून। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार की ओर से संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत टिहरी जिले चंबा ब्लॉक के टिहरी खेड़ा गांव में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। आयोग के सहायक निदेशक बीएस कंडारी ने बताया कि जिला उद्योग केन्द्र एवं जिला ग्रामोद्योग कार्यालय के सहयोग से पीएमईजीपी योजना राज्य के सभी जनपदों में संचालित हो रही है।

बेरोजगार युवक-युवतियों को छोटे-छोटे उद्योग स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अधिकतम 25 लाख तक का उद्योग स्थापित किया जा सकता है। पर्वतीय क्षेत्र के सभी वर्गों के लिए 35 फीसदी अनुदान की व्यवस्था है। कंडारी ने बताया कि आवेदन ऑनलाइन करने का प्रावधान है। आवेदन की तिथि से 56 दिनों के भीतर ऋण बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया जाता है। जागरूकता शिविर में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक [illegible] एवं निदेशक, आरसेटी बीएस चौहान ने बैंक स्तर पर सहयोग का भरोसा दिलाया। संचालन राजकीय औद्योगिक एवं लघु उद्योग विकास संस्थान के [illegible] ने किया। इस अवसर पर [illegible] सिंह, ग्राम प्रधान नीलम सुमन उपस्थित रहे।

स्किल विज्ञान प्रोग्राम में मंथन

देहरादून। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद यूकॉस्ट देहरादून की ओर से [illegible] स्किल विज्ञान प्रोग्राम का [illegible] आयोजन किया गया। यूकॉस्ट के डीजी डॉ. राजेंद्र डोभाल ने सभी चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के कौशल विकास कार्यक्रमों के आयोजन के लिए यूकॉस्ट हरसंभव मदद करने को तैयार है। [illegible] लगातार इस तरह के कार्यक्रमों से देश-प्रदेश के युवाओं में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। इस मौके पर डॉ. [illegible], डॉ. अपर्णा शर्मा, डॉ. कैलाश नारायण [illegible] मौजूद रहे।

- सोशल मीडिया पर केवीआईसी -

फेसबुक पर

- सोशल मीडिया पर केवीआईसी -

इंस्टाग्राम पर

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

Khadi India

हस्तनिर्मित

स्विट्ज़रलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
भारत की आत्मीयता को महसूस करें

विनय कुमार सक्सेना
अध्यक्ष
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia